मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, सोमवार 21 सितंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-306, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

अमरीका जाने की चाह रखने वालों को झटका, ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर पाबंदियां बढ़ाई

वाशिंगटन। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर लगने वाली 1,00,000 अमरीकी डॉलर की फीस को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। यह फीस पहली बार 2025 में लगाई गई थी और इसी

महीने इसकी अवधि खत्म होने वाली थी। शुक्रवार को जारी राष्ट्रपति की घोषणा में ट्रंप ने कहा कि 2025 के इस फैसले के बाद बड़ी आईटी आउटसोर्सिंग कंपनियों की ओर से एच-1बी रजिस्ट्रेशन में 92 फीसदी की गिरावट आई है।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थी समूह में भारतीय अब भी सबसे आगे हैं। ट्रंप ने कहा कि 2025 की घोषणा का विस्तार अमरीका के आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा करना जारी रखेगा, अमरीकी कर्मचारियों और ग्रेजुएट्स के लिए श्रम बाजार तक पहुंच में सुधार करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि नियोक्ता जरूरत पड? पर कार्यक्रम के मूल उद्देश्य के अनुरूप केवल सबसे अधिक कुशल और जरूरी विदेशी कर्मचारियों की भर्ती करें।

फैसले को अदालत में चुनौती

2025 में एच-1बी वीजा पर 1,00,000 अमरीकी डॉलर की फीस लगाने के फैसले को अदालत में चुनौती दी गई है और यह मामला दो अलग-अलग फ्रेडल अदालतों में लंबित है। 2025 में फीस बढ़ाने वाला आदेश इसी महीने खत्म होने वाला था। यह उन विदेशी नागरिकों को दिए गए वीजा पर लागू नहीं था, जो पहले से अमरीका में छात्र वीजा पर मौजूद थे और नए एच-1बी प्राप्त करने वालों में उनकी बड़ी हिस्सेदारी है। यह मौजूदा वीजा के नवीनीकरण पर भी लागू नहीं था।

आगामी वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक शासकीय भर्तियां की जाएंगी

नीमच में शीघ्र शुरू होगा एयरपोर्ट, सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम का होगा निर्माण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट बनाया जायेगा। साथ ही खेल सुविधाओं में विस्तार के लिये सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनाया जायेगा। प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं। आगामी ढाई वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक भर्तियां और की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही शक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त होता है तथा प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच के विकास, नागरिकों के जुझारूपन और उद्यमशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम सनातन परंपरा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का शिक्षा बजट लगभग 5 हजार

करोड़ रुपये से बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये तथा प्रदेश का कुल बजट बढ़कर 4 लाख 48 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में ड्रॉपआउट रेट शून्य होने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 70 हजार रुपये से अधिक हो गई है तथा बिजली उत्पादन 32 हजार मेगावॉट से अधिक पहुंच गया है। वर्ष 2002 में प्रदेश में लगभग 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जिनमें करीब 8 हजार सीटें उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्षों में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है तथा प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी एक्सप्रेस-वे के माध्यम से बेहतर की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार से जिले के युवाओं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच के खिमला क्षेत्र में मादा चीता को छोड़ा जा रहा है। उन्होंने इसे जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व के अग्रणी देशों की कतार में है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तथा न्यायपालिका एवं संवैधानिक संस्थाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं समझौतों में भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों और किसानों के हितों को प्राथमिकता दी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक भूमिका निरंतर मजबूत हुई है और देश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि जिले में 2 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा से संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नीमच को विभिन्न सौगातें देने तथा चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच को चयनित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने गांधी सागर बांध के पानी से किसानों को मिल रहे लाभ और कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव का भी उल्लेख किया। विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने कहा कि भारत विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा एवं श्री वंदन खंडेलवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

यूक्रेन ने ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचाया

रूस में चुनाव के आखिरी दिन 1600 ड्रोन से हमला

एजेन्सी, नई दिल्ली

रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में यूक्रेन ने 1600 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक राजधानी की एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल रिफाइनरी में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

एक ड्रोन के 21 मंजिला अपार्टमेंट से टकराने के बाद आग लग गई। इसके बाद करीब 400 लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। इनमें 70 बच्चे भी शामिल थे।

रूस में शुक्रवार से संसदीय चुनाव के लिए मतदान चल रहा है। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के लिए जनता के समर्थन की परीक्षा के तौर पर पेश किया है।

चुनाव के नतीजों को रूस पुतिन की नीतियों और यूक्रेन युद्ध के समर्थन के तौर पर पेश कर सकता है। भारतीय समयानुसार रविवार रात 11:30 बजे से शुरूआती नतीजे आने की उम्मीद है। चुनाव के पूरे नतीजे सोमवार तक सामने आ सकते हैं। रूसी अधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया में यूक्रेन के दखल का आरोप लगाया है। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, मॉस्को की ऑनलाइन वोटिंग सिस्टम पर साइबर हमला हुआ। हालांकि, हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ होने की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम पर विवाद

पीएम मोदी की मिमिक्री से भड़की बीजेपी, जोकरों की पार्टी बताया

एजेन्सी, नई दिल्ली

राहुल गांधी के इंदौर में हुए कार्यक्रम छात्रों की गूंज पर विवाद हो गया है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं: रेस्ट इन पीस। वहीं शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। छात्र संवाद का इस्तेमाल पीएम मोदी की दिवंगत मां का मजाक उड़ाने और उनका अपमान करने के लिए करना बुनियादी मानवीय संवेदना और राजनीतिक संस्कृति की चौंकाने वाली कमी दिखाता है। बता दें कार्यक्रम के दौरान स्टैंडअप कॉमेडियन पुलकित मणि के पीएम मोदी के हाव-भाव, उनके विदेशी भाषणों और हाल ही में एक रैली के दौरान एक बुजुर्ग महिला के साथ हुई बातचीत की नकल उतारे जाने का वीडियो वायरल होने के बाद बीजेपी ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। इंदौर में छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्टैंडअप कॉमेडियन पुलकित मणि ने पीएम मोदी की आवाज और बोलने के अंदाज की मिमिक्री की।

कॉमेडियन ने विदेशी नेताओं से प्रधानमंत्री की मुलाकात का जिक्र करते हुए बार-बार माई फ्रेंड, हाउ आर यू?ह्व कहा! इस पर मंच पर मौजूद राहुल गांधी ने हंसते हुए जवाब दिया- आई एम फाइन, हाउ आर यू, मोदी जी? एक्ट के दौरान हाल ही में पीएम मोदी के एक जनसभा में एक बुजुर्ग महिला के लिए कुर्सी मंगवाने की घटना, पीएम के सिक्का-ट्रिक का जिक्र करते हुए व्यंग्य कसा गया। मिमिक्री के दौरान एआई समिट के गलगोटिया विवाद और भारत की विदेश नीति पर भी कटाक्ष किया गया। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने बीजेपी और आरएसएस पर शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं, इसलिए सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और जवाबदेही मांग रहे हैं।

बंगाल उपचुनाव

रेजीनगर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार गिरफ्तार

एजेन्सी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के रेजीनगर विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार सैफुल इस्लाम को पुलिस ने बहरामपुर से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान दो गुटों में हुई झड़प के मामले में हुई है। सैफुल इस्लाम हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) से जुड़े हैं। यह गिरफ्तारी कांग्रेस के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव उम्मीदवार मिलन प्रधान की गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुई है। मिलन प्रधान को जमीन अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन से जुड़े करीब दो दशक पुराने मामले में पकड़ा गया था।

नंदीग्राम और रेजीनगर उपचुनाव 6 अक्टूबर को होने हैं। ये सीटें 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद खाली हुई थीं। अधिकारियों के मुताबिक, AJUP के प्रदेश सचिव आशिक इकबाल को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। मुर्शिदाबाद जिले में पुलिस पिकेट पर वाहन जांच के दौरान उन्हें पकड़ा गया। उनके पास बड़ी मात्रा में नकली नोट और अवैध हथियार मिले। इकबाल के साथ यात्रा कर रहे एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है।

जीनगर में TMC उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने शनिवार सुबह 10 बजे चुनाव से हटने का ऐलान किया, लेकिन करीब 3 घंटे बाद ही दोपहर एक बजे यूटर्न ले लिया। रबीउल ने सुबह हटने का ऐलान करते वक्त पार्टी का पुराना चुनाव चिह्न जोड़ा घासफूल नहीं मिलने और नया चिह्न फुटबॉल प्लेयर मिलने को इसकी वजह बताया था। हालांकि, ममता बनर्जी से बातचीत के बाद रबीउल ने कहा, मैं चुनाव लड़ूंगा।

केरलम में फ्लैश फ्लड का कहर

महिला समेत तीन की मौत, कई के बहने की आशंका; 27 लोगों को बचाया

एजेन्सी, नई दिल्ली

केरलम के पूक्कोट्टुम्पदम में रविवार शाम अचानक आई बाढ़ से हड़कंप मच गया। शाम करीब पांच बजे टीके कॉलोनी के कोट्टप्पुझा में फ्लैश फ्लड आने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, पर्यटकों और एक स्थानीय महिला समेत करीब सात लोगों के बह जाने की आशंका है। पोट्टिकल्लू के मुठिकुंड इलाके में नदी से करीब 50 साल के एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। शव को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं, लापता बताए जा रहे अन्य लोगों की तलाश जारी है।

ओलरवट्टोम नहर से टीके कॉलोनी तक नदी के किनारे कई जगह पर्यटक मौजूद थे। ये इलाके लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं। छुट्टी का दिन होने के कारण केट्टुंगल, आणाकुंडु, बालावडिप्पाडी और कोयिप्रा की तलहटी से लगे अन्य इलाकों में भी सैकड़ों लोग जुटे थे। अचानक पानी का स्तर बढ़ने से नदी के बीच फंसे करीब 27 लोगों को स्थानीय लोगों और मुहम्मद सुहैल ट्रीटमेंट एड कमेटी के सदस्यों ने सुरक्षित बाहर निकाला।

हालांकि, कई लोग अलग-अलग जगहों पर लंबे समय तक फंसे रहे और सुरक्षित स्थान तक नहीं पहुंच सके। चोक्कड़ के चार लोगों के आंगनवाड़ी के पास चट्टानों और पेड़ों पर फंसे होने की सूचना है। उन्हें बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस, फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज के जवान, स्वयंसेवक और स्थानीय लोग नदी में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। फ्लैश फ्लड में बह जाने की आशंका वाले लोगों की भी तलाश की जा रही है।

इडुक्की में मिट्टी धंसने से दो लोगों की मौत, एक घायल

इडुक्की जिले के कोट्टाकम्बूर में रविवार को मिट्टी धंसने के कारण एक झोपड़ी गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई।

दमकल एवं बचाव सेवा कर्मियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान वट्टावडा के पास कोट्टाकम्बूर निवासी बालकृष्णन और उनकी बहन चिन्नू के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि बालकृष्णन की पत्नी मरियम्मा भी इस घटना में घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार, बालकृष्णन और उनका परिवार खेतों में काम करने के लिए गए थे, लेकिन तेज बारिश के कारण उन्हें खेत के पास बनी एक झोपड़ी में शरण लेनी पड़ी। उन्होंने बताया कि बारिश रुकने का इंतजार करते समय रविवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे भूस्खलन की चपेट में आने से ढांचा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे तीनों लोग उसके नीचे दब गए। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद झोपड़ी का मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला।

सात जिलों में येलो अलर्ट

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। रविवार को तिरुवनंतपुरम और इडुक्की समेत सात जिलों में येलो अलर्ट है। 24 घंटे में अलग-अलग स्थानों पर 115.5 मिलीमीटर तक भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। इडुक्की और कोट्टायम जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।

सिक्किम के गंगटोक में भूस्खलन और मलबे से सड़कें प्रभावित

उधर, सिक्किम के गंगटोक में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन, मलबा आने और सड़कें बाधित होने की घटनाएं सामने आई हैं। इसके बाद गंगटोक जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने नुकसान का आकलन शुरू किया है। भारी बारिश से जुड़ी घटनाओं और भूस्खलन के बाद डीडीएमए की ओर से पूरे जिले में नुकसान का विस्तृत आकलन किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

जर्जर सड़क और नालियों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

जबलपुर। कैंट विधानसभा के लाला लाजपत राय वार्ड में गांधी चौक से मुखर्जी चौक और नानक नगर की ओर जाने वाली जर्जर सड़क के निर्माण समेत क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जन जागरण किया। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय विधायक अशोक रोहाणी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क, बजबजाती नालियों, सार्वजनिक कुएं की बदहाली और पार्क पर कथित अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सांकेतिक विरोध स्वरूप विधायक अशोक रोहाणी के पोस्टर को नाली और सड़क के गड्ढों में विसर्जित किया। कांग्रेस नेताओं ने विधायक और प्रशासन से समस्याओं का जल्द निराकरण करने की मांग की। उन्होंने सार्वजनिक कुएं की सफाई कराने, पार्क को अतिक्रमण से मुक्त कराने और क्षेत्र की अन्य नागरिक समस्याओं पर कार्रवाई की मांग की। नेताओं ने कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष नगर निगम जबलपुर अमरीश मिश्रा, राजेश यादव, रविंद्र कुशवाहा, राजेंद्र मिश्रा, नेम सिंह, अनिल शर्मा, राजू कनौजिया, सौरभ यादव, रमेश बोहित, अशोक बर्मन, अनिल सोनकर, मुकेश श्रीवास्तव, इंद्रजीत कुशवाहा, बबलू यादव, संत कुमार कुशवाहा, मोहन उइके, दुर्गेश कुशवाहा, महेश मिश्रा, नारायण गुप्ता, देवेंद्र लखेड़ा, आलोक भट्ट, गुरु कुशवाहा, लालजी जायसवाल, प्रीति ठाकुर, नीतू कुशवाहा, मोहन रजक, कमलेश चौधरी, राहुल चौधरी, विनोद कुशवाहा और तेजीलाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षा के अतीत से भविष्य की कल्पना तक पहुँचे विद्यार्थी

जबलपुर। भारतीय शिक्षा व्यवस्था के अतीत, वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को केंद्र में रखकर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर), जबलपुर द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का पाँचवाँ एवं अंतिम चरण रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ! प्रतियोगिता में शहर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, तार्किक सोच, कल्पनाशीलता और विचारशीलता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय 'भारतीय शिक्षा व्यवस्था – अतीत, वर्तमान एवं भविष्य रखा गया था। विषय की व्यापकता को विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कल्पनाशक्ति और दृष्टिकोण के अनुरूप अभिव्यक्त किया। किसी ने भारतीय शिक्षा की गौरवशाली परंपराओं को अपनी रचनाओं में स्थान दिया, तो किसी ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों और तकनीकी बदलावों को रेखांकित करते हुए भविष्य की शिक्षा का स्वरूप प्रस्तुत किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर), जबलपुर सौरभ नाटी शर्मा ने बताया कि सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। आज के विद्यार्थी ही आने वाले समय में भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, चरित्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र की प्रगति का आधार है।

दोपहर बाद बदला मौसमए तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर शुरू

जबलपुर। रविवार को सुबह से तेज धूप और उमस के बाद दोपहर करीब 2 बजे अचानक मौसम ने करवट ली। तेज हवाएं चलने लगीं और इसके बाद बारिश शुरू हो गई। देर शाम तक रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी रहा। मौसम में अचानक आए बदलाव से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, उत्तर अंडमान सागर और उससे लगे मध्य-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 21 सितंबर को अवदाब तथा 22 सितंबर को गहरे अवदाब में बदलने की संभावना जताई गई है। इसके बाद इसके दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इस मौसमी प्रणाली का असर मध्य भारत के मौसम पर भी दिखाई दे सकता है। इसके बाद इसके दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इस मौसमी प्रणाली का असर मध्य भारत के मौसम पर भी दिखाई दे सकता है। स्थानीय मौसम अवलोकन के अनुसार, जबलपुर में रविवार को सुबह अधिकतम तापमान करीब 33.5 डिग्री और न्यूनतम 23.9 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह के समय मौसम साफ और धूप वाला रहा, लेकिन दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बादल छाए और बारिश शुरू हो गई।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत शिक्षा संस्थानों में आयोजित की गई भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता

विद्यार्थीयों को प्रोत्साहित करना राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: सोनकर

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस तथा उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा, समर्पण और सुशासन की यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित एक माह के सेवा संकल्प अभियान की श्रृंखला में जबलपुर में राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विकसित भारत, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत, राष्ट्र सेवा तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जनकल्याणकारी कार्यों और देश के विकास की परिकल्पना जैसे विषयों को अपनी कलाकृतियों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, सेवा और सुशासन मेरे सपनों का भारत विषय पर अपनी कल्पनाओं, विचारों एवं भारत के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपने संकल्प को अभिव्यक्त किया। तथा विकसित भारत के संकल्प पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

जबलपुर के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में क्राइस्ट चर्च गर्ल्स एवं बॉयज स्कूल में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्री आशीष दुबे एमएम इंटरनेशनल स्कूल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन एमएलबी स्कूल, विधायक अशोक रोहाणी सेंट अलायसियस स्कूल, जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन सेंट जेवियर स्कूल, महामंत्री अमित सोनू बचवानी आदित्य कॉन्वेंट स्कूल में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए जबलपुर के 328 स्कूलों में भाजपा के 328 पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण मुख्य रूप से भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रमुख रूप उपस्थित थे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और रचनात्मक सोच राष्ट्र के भविष्य को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सेवा संकल्प अभियान केवल किसी एक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में सेवा, सहभागिता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का अवसर है। विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने वाले ऐसे आयोजन उन्हें अपनी कल्पनाशक्ति, विचार क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने के साथ-साथ देश और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने का अवसर देते हैं।अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को राष्ट्र निर्माण, सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना है। रत्नेश सोनकर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा के अवसर पर आयोजित यह अभियान सेवा और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाने का माध्यम है।

'गणेश छठ' का पावन पर्व अत्यंत भव्यता एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न

श्री रजत गणेश मंदिर में गणेश छठ को हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

ललपुर रोड, गौरीघाट स्थित प्रसिद्ध श्री रजत गणेश मंदिर परिसर में आज 'गणेश छठ' का पावन पर्व अत्यंत भव्यता एवं आध्यात्मिक वातावरण में सोल्लास संपन्न हुआ। उत्सव के दौरान मंदिर परिसर का दृश्य अत्यंत अलौकिक और भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। विशेष रूप से महिलाओं एवं पुरुषों ने पीले वस्त्र धारण कर भगवान श्री गणेश जी का पूजन, वंदन एवं अभिनंदन किया। मंदिर परिसर में ठीक वैसा ही उत्सव एवं आनंद का माहौल निर्मित हुआ, जैसा पारंपरिक रूप से शिशु जन्मोत्सव के उपरांत 'छठ' एवं 'जच्चा-बच्चा' पूजन के अवसर पर घरों में देखा जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित महिला मंडली ने पारंपरिक प्राचीन वाद्य यंत्रों की मधुर धुन पर एक से बढ़कर एक मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं। भजनों की रसधार से संपूर्ण मंदिर प्रांगण आध्यात्मिक चेतना और भक्ति रस से सराबोर हो उठा। भगवान गणेश को झुलाया पालना, अर्पित किए खिलौने व उपहार भक्तगण बालगोपाल स्वरूप श्री गणेश जी के लिए अत्यंत स्नेहपूर्वक विभिन्न प्रकार के सुंदर उपहार, मिष्ठान एवं खिलौने लेकर पहुँचे। महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने गजानन को भक्ति भाव से पालने में झुलाया और उनकी आरती उतारकर क्षेत्र व समाज के कल्याण की कामना की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रवि राय ने अपने संबोधन में मंदिर के महंत स्वामी प्रमोद महाराज जी के तपस्वी जीवन एवं अलौकिक सिद्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाराज जी बाल्यावस्था से ही गहन साधना एवं प्रभु भक्ति में लीन रहे हैं। उनकी युवावस्था अत्यंत कठोर तपश्चर्या और गहन साधनाओं से परिपूर्ण रही है। वे अलौकिक सिद्धियों के स्वामी हैं और उनके द्वारा की गई प्रार्थना सदैव फलदायी एवं सफल होती है।

'गुड मॉर्निंग' के स्थान पर 'जय श्री रजत गणेश' का संकल्प

इस अवसर पर डॉ. रवि राय ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि हम सभी अपनी सनातन संस्कृति और व्यावहारिक जीवन में पवित्रता बनाए रखने के लिए परस्पर अभिवादन में 'गुड मॉर्निंग' या अन्य पाश्चात्य शब्दों के स्थान पर 'जय श्री रजत गणेश' कहने का संकल्प लेते हैं। उपस्थित समस्त जनसमुदाय एवं श्रद्धालुओं ने इस प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार करते हुए दैनिक जीवन में 'जय श्री रजत गणेश' के उद्घोष का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाराज श्री ने कहा कि महंत होने का अर्थ है कि प्राप्त सिद्धियों का का उपयोग भक्तों के लिए किया जाना चाहिए। भक्तों के कष्ट निवारण करना और ईश्वर की अराधना और सेवा हमारा प्रथम कर्तव्य है। इस कार्यक्रम का संचालन सुरेश शारदा ने किया।

मात्र रू. 5 के आवेदन शुल्क पर किसानों को मिल रहा स्थाई कृषि पंप कनेक्शन

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किसानों को सिंचाई के लिए स्थाई विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की दिशा में लागू की गई विशेष व्यवस्था का लाभ किसानों को लगातार मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में 5 हॉर्सपावर तक के ऐसे कृषि पंप कनेक्शन, जिनके लिए विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं है, मात्र रू. 5 के आवेदन शुल्क पर स्थाई कनेक्शन दिए जा रहे हैं। किसानों की सुविधा के लिए कंपनी द्वारा लागू इस व्यवस्था के तहत ऑनलाइन आवेदन प्राप्त कर कृषि पंप संयोजन जारी किए जा रहे हैं। कनेक्शन के लिए निर्धारित सुरक्षा निधि की राशि प्रथम विद्युत बिल में जोड़े जाने की व्यवस्था भी की गई है। इससे किसानों को कनेक्शन प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक स्तर पर आर्थिक भार कम हो रहा है और वे आसानी से अपने कृषि पंप को विद्युत कनेक्शन से जोड़ पा रहे हैं। 21 सर्किलों में 26,537 किसानों को लाभ कंपनी से प्राप्त 18 मई 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार पूर्व क्षेत्र के विभिन्न सर्किलों में अब तक 26,537 किसानों को स्थाई कृषि पंप कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। इनमें सतना में सर्वाधिक 2,894,

सिंगरौली में 2,509, रीवा में 2,323, बालाघाट में 2,206 तथा सीधी में 1,777 किसानों को कनेक्शन दिए गए हैं। अन्य सर्किलों में भी बड़ी संख्या में किसान इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। नरसिंहपुर में 1,678, उमरिया में 1,433, सिवनी में 1,429, छिंदवाड़ा में 1,351, सागर में 1,347, शहडोल में 1,272, कटनी में 1,170, छतरपुर में 1,056, जबलपुर (संचा./संधा.) में 797, अनूपपुर में 781, पन्?ना में 723, दमोह में 683, मंडला में 488, टीकमगढ़ में 408, डिंडोरी में 208 और जबलपुर शहर में 4 किसानों को स्थाई कृषि पंप कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कंपनी द्वारा जारी परिपत्र के माध्यम से इस व्यवस्था के तहत पात्र किसानों को कनेक्शन प्रदान करने की कार्यवाही निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस पहल से किसानों को कम आवेदन शुल्क में स्थाई विद्युत कनेक्शन की सुविधा मिल रही हैं।

नवरात्रि आयोजनों की गरिमा और परंपरागत स्वरूप बनाए रखने मंत्री ने दिए निर्देश

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

आगामी शारदीय नवरात्रि पर्व को लेकर धार्मिक आयोजनों की गरिमा, परंपरागत स्वरूप और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की मांग को लेकर अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल, महाकौशल प्रांत ने शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया है। राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकौशल प्रांत मंत्री अर्पित सिंह ठाकुर ने 19 सितंबर को संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी को पत्र भेजकर गरबा, डांडिया और दुर्गा पूजा पंडालों में धार्मिक वातावरण बनाए रखने तथा अनुचित गतिविधियों पर रोक के लिए दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया था। इसके बाद मंत्री के कार्यालय की ओर से 19 सितंबर को कलेक्टर जबलपुर को पत्र भेजकर दुर्गोत्सव समितियों और

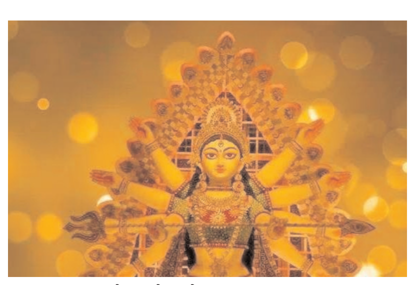

गरबा आयोजकों को गरिमापूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए आवश्यक निर्देश देने को कहा गया है।राष्ट्रीय बजरंग दल ने आयोजनों में धार्मिक एवं पारंपरिक स्वरूप बनाए रखने, अशोभनीय गतिविधियों पर रोक, आयोजक समितियों, प्रशासन और संबंधित संगठनों के बीच समन्वय तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग रखी थी।

डी-मार्ट के पास विवाद के बाद खंदारी नाले में मिला युवक का शव, चार युवक हिरासत में

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

गोराबाजार थाना क्षेत्र के बिलहरी-तिलहरी मार्ग स्थित डी-मार्ट के पास शनिवार रात युवकों के बीच हुए विवाद के बाद एक युवक की खंदारी नाले में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बिलहरी निवासी अर्जुन के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से नाले में रेस्क्यू अभियान शुरू कराया। काफी तलाश के बाद अर्जुन का शव बरामद किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शनिवार रात डी-मार्ट के समीप अर्जुन और कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने के बाद अर्जुन नाले में जा गिरा। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और पुलिस को सूचना दी गई।घटना को लेकर सामने आई जानकारी में नाले में गिरने की परिस्थितियों को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं। एक जानकारी के अनुसार अर्जुन ने विवाद के दौरान स्वयं नाले में छलांग लगाई, जबकि दूसरी ओर आरोप है कि विवाद और मारपीट के बाद उसे नाले में फेंका गया। पुलिस इन दोनों पहलुओं की जांच कर रही है। सूचना मिलते ही गोराबाजार पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। रात का समय होने के कारण नाले में तलाश अभियान चलाना चुनौतीपूर्ण था। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू शुरू कराया। काफी मशक्कत के बाद अर्जुन का शव नाले से बाहर निकाला गया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पुलिस ने बिलहरी निवासी चार युवकों को हिरासत में लिया है। उनसे विवाद की वजह, घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों तथा अर्जुन के नाले में गिरने की परिस्थितियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

जीआरपी थाना जबलपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त: 04 चोरी के मोबाइल बरामद

रेलवे स्टेशन जबलपुर पर चोरी के मोबाइल के साथ 02 आरोपी गिरफ्तार

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रेलवे स्टेशन जबलपुर पर यात्रियों के सामान एवं मोबाइल चोरी करने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी थाना जबलपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। दिनांक 18.09.2026 को प्रधान आरक्षक सतेन्द्र सिंह को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि प्लेटफॉर्म क्रमांक 4-5, इटारसी छोर की ओर दो संदिग्ध व्यक्ति चोरी के मोबाइल बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में घूम रहे हैं।

सूचना पर स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दोनों व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम कृष्णा दुबे पिता कौशल किशोर दुबे, उम्र 23 वर्ष, निवासी गढ़ा पेट्रोल पंप के पास, थाना कोतवाली, जिला जबलपुर तथा हर्ष वर्मा पिता गंगाधर वर्मा, उम्र 23 वर्ष, निवासी कटरा सिटी सेंटर के पीछे, जबलपुर बताया। आरोपियों की तलाशी

लेने पर उनके कब्जे से 04 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों द्वारा रेलवे स्टेशन एवं आसपास से मोबाइल चोरी करना तथा चोरी के मोबाइल अन्य व्यक्तियों को बेचने की बात बताई गई। आरोपियों द्वारा चोरी के मोबाइल बेचने वाले व्यक्तियों के संबंध में भी जानकारी दी गई है, जिसकी तस्दीक एवं आगे की कार्रवाई की जा रही है। बरामद मोबाइलों के संबंध में दस्तावेज/बिल प्रस्तुत नहीं किए जाने तथा प्रथम दृष्टया चोरी की संपत्ति होना पाए जाने पर आरोपियों के विरुद्ध धारा

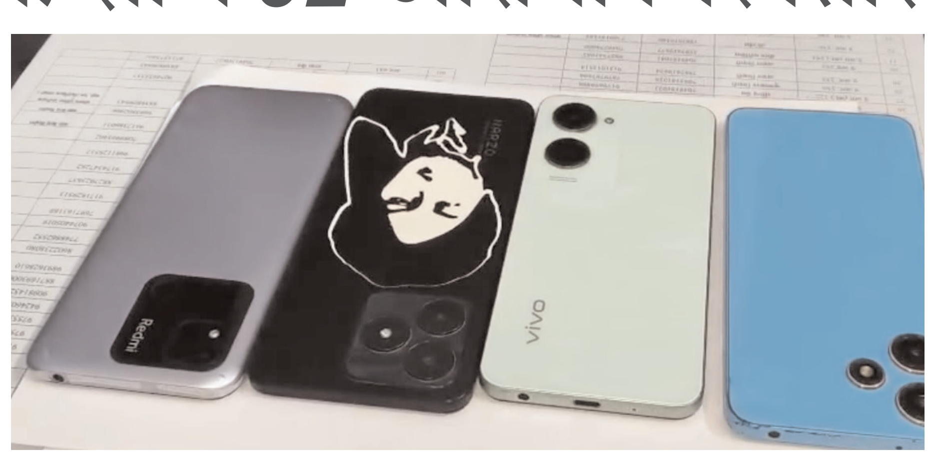

317(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से चोरी के अन्य मामलों एवं चोरी का माल खरीदने वाले व्यक्तियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। उक्त कार्रवाई थाना प्रभारी जीआरपी जबलपुर उपनिरीक्षक संजीवनी राजपूत के मार्गदर्शन में प्र आर सत्येंद्र सिंह , प्रधान आरक्षक मनोज, सत्येन्द्र, प्र आर अरुण, प्र आर परशुराम एवं प्र आर रविकांत गोपाल एवं आरपीएफ पोस्ट के प्र आर केदारमल जाट प्र आर प्रेम सिंह की भूमिका रही।

प्रणति समारोह के दूसरे दिन हुई प्रस्तुति रही हाउसफुल

हीरामन-हीराबाई के निश्छल प्रेम ने मंच पर रचा विरह का लोक-संसार

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

भारत भवन में आयोजित ब.व. कारंत स्मृति महोत्सव 'प्रणति' के दूसरे दिन रविवार को फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'मारे गए गुलफाम' का रंगमंचीय मंचन हुआ। संजय गर्ग के निर्देशन में जबलपुर की नाट्य संस्था के कलाकारों ने प्रस्तुति के माध्यम से रेणु के आंचलिक संसार, लोकजीवन की सहजता और अधूरे प्रेम की मार्मिकता को मंच पर जीवंत किया। नाटक एक प्रेम-विरह की कहानी नहीं है। यह उस समाज की कथा है, जहां मनुष्य के रिश्ते सामाजिक पहचान और पूर्वाग्रहों की सीमाओं से टकराते हैं। रेणु ने ग्रामीण जीवन की मिट्टी, लोकगीतों की गंध और साधारण मनुष्य की असाधारण संवेदना से जो संसार रचा था, उसे जबलपुर के कलाकारों ने मंच पर स्पंदित करने का प्रयास किया। प्रस्तुति का केंद्र है साधारण गाड़ीवान हीरामन, जिसकी दुनिया बैलगाड़ी, खेत-खलिहान, मेले और लोकजीवन की छोटी-छोटी खुशियों से बनी है। परिस्थितियां उसे एक मेले तक नौटंकी कंपनी की कलाकार हीराबाई को अपनी बैलगाड़ी में बैठाकर ले जाने का अवसर देती हैं। यात्रा धीरे-धीरे केवल रास्ते का सफर नहीं रहती, बल्कि दो अलग

दुनियाओं के बीच आत्मीयता का पुल बन जाती है। हीराबाई की सहज बातचीत, लोकगीतों की धुन और हीरामन की निश्छल संवेदना के बीच एक ऐसा संबंध आकार लेता है, जिसे दोनों शायद प्रेम का नाम भी नहीं दे पाते। हीरामन के लिए हीराबाई किसी नौटंकी की कलाकार से कहीं आगे बढ़ जाती है। वह उसकी नजर में ऐसी स्त्री है, जिसे समाज के बनाए पैमानों से नहीं, बल्कि उसके मन की निर्मलता से देखा जाना चाहिए। दूसरी ओर हीराबाई भी हीरामन की सरलता और आत्मीयता में उस सम्मान को महसूस करती है, जो उसके पेशे और सामाजिक दृष्टि के कारण उसे अक्सर नहीं मिलता। यही भावनात्मक द्वंद्व प्रस्तुति का सबसे कोमल और मार्मिक पक्ष बना। नाटक में लोकभाषा, गीत-संगीत और मेले का वातावरण कथा को केवल आगे नहीं बढ़ाते, बल्कि उसका जीवंत परिवेश निर्मित करते हैं। नौटंकी के रंग, ढोल-नगाड़ों की लय और ग्रामीण पात्रों की सहज चुटीली बातचीत के बीच हीरामन-हीराबाई का संबंध अधिक गहराई से उभरता है। रेणु की रचना में लोकजीवन महज पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि कथा का सक्रिय चरित्र है मंचन में इसी संवेदना को पकड़ने का प्रयास दिखाई दिया। इस प्रस्तुति की विशेषता यह रही कि कथा को अनावश्यक आडंबर से बचाते हुए उसके भाव-सूत्रों को उभारने की कोशिश की गई। कलाकारों ने ग्रामीण पात्रों की देहभाषा, संवादों की सहजता और लोक परिवेश के अनुरूप अभिनय से कथा में विश्वसनीयता पैदा की। हीरामन और हीराबाई के बीच विकसित होती आत्मीयता को अत्यधिक नाटकीय बनाने के बजाय संकेतों और मौन के सहारे व्यक्त करना प्रस्तुति की संवेदनात्मक उपलब्धि रही। तीन दिवसीय समारोह के अंतिम दिन नाटक गुड़िया की शादी का मंचन होगा। संजय श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित नाटक की प्रस्तुति मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के छात्र देंगे।

राष्ट्रीय संस्थान छात्र संवाद में 250 विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने लिया भाग

युवा प्रश्न पूछें, संवाद से जुड़ें और उनके भीतर की संवेदना को समझें : दत्तात्रेय होसबाले

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

राष्ट्रीय संस्थान छात्र संवाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि नई पीढ़ी का प्रश्न पूछना भारतीय परंपरा का हिस्सा है। युवाओं के प्रश्नों को सुनने, समझने और संवाद के माध्यम से उत्तर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी युवा को उसके बाहरी स्वरूप या विचारों के आधार पर देखने के बजाय उसके भीतर की संवेदना और सकारात्मक शक्ति को समझना चाहिए। समाज सेवा न्यास द्वारा आयोजित संवाद में लगभग 250 विद्यार्थी एवं प्राध्यापक शामिल हुए। कार्यक्रम में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के साथ मध्यभारत प्रांत संघचालक अशोक पांडेय तथा भोपाल विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर मंचस्थ रहे। भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पार्चन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद राम जन्मभूमि संघर्ष पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक, तकनीकी और राष्ट्रीय विषयों से जुड़ी 11 जिज्ञासाएं रखीं। सोशल मीडिया और

वैचारिक इको चैंबर के दौर में युवाओं से जुड़ने के प्रश्न पर होसबाले ने कहा कि आज पीढ़ियों को जेन जी और जेन अल्फा जैसे नामों से परिभाषित किया जाता है, जबकि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को युवा भारत कहा था। उन्होंने कहा कि नरेंद्र के रूप में स्वामी विवेकानंद ने भी प्रश्न किए थे और नचिकेता का प्रश्न करना भारतीय परंपरा में प्रसिद्ध है। इसलिए नई पीढ़ी सत्ता, समाज या किसी संस्था से प्रश्न करती है तो उसे गलत नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि युवाओं के प्रश्नों को सुनना और संवाद में जुड़ना चाहिए। केवल प्रश्न पूछने के कारण किसी को अस्वीकार करने के बजाय उसकी बात समझने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं के बाहरी रूप को देखने के बजाय उनके भीतर की संवेदना को देखना चाहिए। भारत को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि देश राजनीतिक रूप से स्वतंत्र हो चुका है, लेकिन डिकोलोनाइजेशन ऑफ माइंड की प्रक्रिया अभी जारी है। भारतीय सभ्यता के मूल्यों, दृष्टि और शब्दावली पर अधिक शोध की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने धर्म की अवधारणा का उदाहरण दिया। उनके अनुसार भारतीय दृष्टि को समझने के लिए इतिहास, पुरातत्व, भाषाविज्ञान और सामाजिक विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन आवश्यक है। विद्यार्थियों के बीच वैचारिक वातावरण बदलने के उपाय पर उन्होंने स्वाध्याय मंडल, ग्रुप डिस्कशन और राष्ट्रहित से जुड़ी रचनात्मक गतिविधियां शुरू करने का सुझाव दिया। उन्होंने बेंगलुरु के विद्यार्थियों के नमो भारती कार्यक्रम का उदाहरण देते हुए कहा कि छोटी-छोटी गतिविधियों के माध्यम से भी सकारात्मक वातावरण बनाया जा सकता है। डिजिटल युग में संघ के कार्यों और तकनीक के उपयोग से जुड़े प्रश्न पर होसबाले ने कहा कि मूल विचार और मूल्य स्थायी होते हैं, लेकिन समय के साथ उपलब्ध साधनों का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाए, लेकिन वहां क्या और किस उद्देश्य से प्रसारित किया जा रहा है, यह व्यक्ति के संस्कार और विवेक पर निर्भर करता है।

सेंट जोसफ स्कूल के प्रॉपर्टी टैक्स खाते में हेराफेरी कर लाखों रुपए कम किये गये

एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

नगर निगम के जोन क्रमांक-2 के वार्ड क्रमांक-10 स्थित सेंट जोसफ स्कूल, ईदगाह हिल्स के संपत्ति कर खाते में कथित छेड़छाड़ किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। प्रकरण की जांच में सामने आया कि स्कूल के संपत्ति कर की मूल मांग करीब 7.71 लाख रुपए थी, जिसे घटाकर महज 1.09 लाख रुपए कर दिया गया। इस तरह से कर टैक्स की रकम में से 6 लाख 62 हजार रुपए कम किए गए हैं। मामले में जोनल अधिकारी की यूजर आईडी के इस्तेमाल और पासवर्ड बदले जाने की जानकारी सामने आई है। कोहेफिजा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में मामला कायम कर आगे की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, जोनल अधिकारी मोहित मालवीय ने बताया कि अप्रैल 2026 में प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली के दौरान वार्ड क्रमांक-10 स्थित सेंट जोसफ स्कूल की संपत्ति कर आईडी का देयक निकलवाया गया। इसमें कर की राशि अपेक्षा से

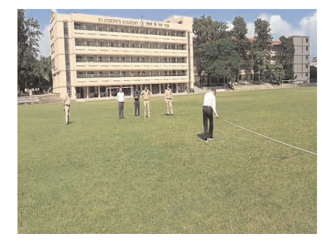

काफी कम दिखाई दी। इसके बाद पोर्टल पर खाते की जांच की गई तो पता चला कि 31 मार्च 2026 को स्कूल की ओर से ऑनलाइन माध्यम से 1,09,423 रुपए जमा किए गए थे। मामले में पुरानी नस्ती मांगी गई, लेकिन वह वार्ड कार्यालय में उपलब्ध नहीं मिली। इसके बाद पुराने देयक की छायाप्रति प्राप्त की गई। इसमें संपत्ति कर 4,49,870 रुपये, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अधिभार 2,71,311 रुपये तथा व्यावसायिक लाइसेंस शुल्क एवं अधिभार 50 हजार रुपये, कुल 7,71,181 रुपये की मांग दर्ज थी। जांच में यह भी सामने आया कि 31 मार्च 2026 को जोनल अधिकारी, जोन-2 की यूजर आईडी का इस्तेमाल कर स्कूल की संपत्ति का क्षेत्रफल 34,872.3 से घटाकर 5,856 कर दिया गया।

साप्ताहिक जबलपुर-पुणे-जबलपुर एक्सप्रेस का खण्डवा रेलवे स्टेशन पर ठहराव 20 से प्रारंभ

एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

यात्रियों की सुविधा एवं बेहतर रेल कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा भोपाल होकर संचालित गाड़ी संख्या 20162/20161 जबलपुर-पुणे-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस का खण्डवा रेलवे स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया गया है। यह ठहराव 20 सितम्बर 2026 से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। खण्डवा स्टेशन पर ठहराव का विवरण गाड़ी संख्या 20162 जबलपुर-पुणे साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को 20 सितम्बर 2026 से खण्डवा स्टेशन पर 20:03 बजे आगमन एवं 20:05 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 20161 पुणे-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार

को 21 सितम्बर 2026 से खण्डवा स्टेशन पर 23:03 बजे आगमन एवं 23:05 बजे प्रस्थान करेगी। खण्डवा एवं आसपास के यात्रियों को मिलेगा लाभ इस ठहराव से खण्डवा एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को जबलपुर एवं पुणे के बीच आवागमन के लिए सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध होगी। साथ ही, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के प्रमुख शहरों के बीच रेल संपर्क को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। भोपाल मंडल रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं एवं रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यात्री ट्रेनों के ठहराव एवं समय-सारणी की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन, रेल मदद 139, हृञ्जश्वस् तथा ऐप/ऑनलाइन वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

गणपति बप्पा को दादाजी धाम में अर्पित हुआ छप्पन भोग

भोपाल। रायसेन रोड, पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर में रविवार को गणेश उत्सव के अवसर पर भगवान श्री गणेश का आकर्षक श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर गणपति बप्पा को श्रद्धा के साथ छप्पन भोग अर्पित किया गया। विभिन्न व्यंजनों और मिठाइयों से सजी भोग की थालियों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। छप्पन भोग में मोदक, बूंदी और बेसन के लड्डू, पेड़ा, बर्फी, काजू कतली, गुलाब जामुन, जलेबी, खीर, हलवा, पूड़ी, कचौरी, नमकीन, सूखे मेवे, फल, विभिन्न सब्जियां, चटनी, अचार, मिश्री, पंचमेवा सहित अन्य सात्त्विक पकवान शामिल रहे। परिवार में सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगल की कामना की। मंदिर परिसर में महिलाओं ने भजन-कीर्तन किए और श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बीना एवं आगासौद स्टेशनों पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के दौरान 16 ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित

एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेलवे के बीना एवं उत्तर मध्य रेलवे के आगासौद स्टेशनों के मध्य तीसरी रेल लाइन को जोड़ने के लिए दोनों स्टेशनों पर यार्ड रीमॉडलिंग का कार्य चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्री-नॉन इंटरलॉकिंग एवं नॉन इंटरलॉकिंग कार्य 01 सितंबर से 15 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। कार्य के दौरान ट्रेनों के सुरक्षित एवं सुचारु परिचालन को ध्यान में रखते हुए बीना होकर गुजरने वाली कुछ लंबी दूरी की ट्रेनों को निर्धारित तिथियों पर परिवर्तित मार्ग से संचालित किया जाएगा। यार्ड रीमॉडलिंग कार्य पूर्ण होने के बाद बीना एवं आगासौद स्टेशनों की यार्ड क्षमता में वृद्धि होगी। इससे ट्रेनों के परिचालन में सुगमता आएगी, ठहराव एवं संचालन का बेहतर

प्रबंधन संभव होगा तथा भविष्य में बढ़ते रेल यातायात को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी। साथ ही परिचालन दक्षता, विश्वसनीयता एवं समयपालन में सुधार होगा। मार्ग परिवर्तित ट्रेनों का विवरण 1. गाड़ी संख्या 11703 रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 08, 11 एवं 13 अक्टूबर 2026 को रीवा से प्रारंभ होकर परिवर्तित मार्ग बीना मालखेड़ी जंक्शन-महादेवखेड़ी जंक्शन-गुना जंक्शन-रूठियाई जंक्शन-मक्सी जंक्शन होकर संचालित होगी। कुल 03 सेवाएं। 2. गाड़ी संख्या 11704 डॉ. अंबेडकर नगर-रीवा त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 09, 12 एवं 14 अक्टूबर 2026 को डॉ. अंबेडकर नगर से प्रारंभ होकर परिवर्तित मार्ग मक्सी जंक्शन-रूठियाई जंक्शन-गुना जंक्शन-महादेवखेड़ी जंक्शन-बीना मालखेड़ी जंक्शन होकर संचालित होगी। कुल 03 सेवाएं। 3. गाड़ी संख्या 11465 वेरावल-जबलपुर द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 10 एवं 12 अक्टूबर 2026 को वेरावल से प्रारंभ होकर परिवर्तित मार्ग भोपाल-इटारसी होकर संचालित होगी। कुल 02 सेवाएं। 4. गाड़ी संख्या 11466 जबलपुर-वेरावल द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 09 एवं 12 अक्टूबर 2026 को जबलपुर से प्रारंभ होकर परिवर्तित मार्ग इटारसी-भोपाल होकर संचालित होगी।

79वें संत समागम की सेवाओं का मंगलमय आगाज, सेवा बनी समर्पण की साधना

हर हृदय से हो सेवा और मानवता का शुभारम्भ: निरंकारी राजपिता रमित जी

एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

विविधताओं से सजे इस संसार में हमारे रूप, भाषाएँ और जीवन-शैलियाँ भले ही अलग हों, किंतु इन बाहरी भिन्नताओं के पीछे बसने वाली चेतना एक ही है। हम सभी इसी परमात्मा की संतान हैं, जिन्हें सतगुरु ने प्रेम के अदृश्य सूत्र में बाँधकर मानवता को एकता का संदेश दिया है। संत निरंकारी मिशन इसी भावना को 'वसुधैव कुटुम्बकम' -'समस्त संसार एक परिवार' के रूप में जीवन्त कर रहा है, जहाँ प्रेम केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली को दर्शाता है। 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा, हरियाणा में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें आत्मिक चेतना और मानव-एकता के संदेश को हृदय में संजोए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होंगे। सतगुरु के दिव्य दर्शन एवं पावन प्रवचनों से श्रद्धालु आत्मिक शांति प्राप्त करते हुए अपने जीवन में प्रेम, सेवा, करुणा और मानवता के भाव को अपनाने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे। समागम की सेवाओं का शुभारम्भ आज श्रद्धा, समर्पण और सेवाभाव से परिपूर्ण वातावरण में हुआ। निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन कर-कमलों से सेवा स्थल का उद्घाटन

किया गया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी समिति, केंद्रीय सेवादल के अधिकारीगण तथा हजारों श्रद्धालु भक्तों ने प्रेम और निष्ठा के साथ सेवा में सहभागिता निभाई। संत निरंकारी मण्डल की अध्यक्ष आदरणीय राजकुमारी 'मामी जी' एवं संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर निरंकारी राजपिता जी का हार्दिक अभिनंदन किया। यह पावन अवसर सेवा को साधना और समर्पण को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा। 79वें समागम की सेवाओं के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए निरंकारी राजपिता जी ने सतगुरु माता जी के प्रेम एवं आशीर्वाद को संतों तक पहुंचाते हुए फरमाया कि संत समागम की सेवाओं का यह विशाल स्वरूप असंख्य संतों की निस्वार्थ सेवा, त्याग और समर्पण का परिणाम है। यह हमें प्रेरणा देता है कि हमारे जीवन में भी सेवा और परोपकार का भाव आए। मानव तन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बनने के लिए मिला है। सेवा में जब 'मैं' का भाव समाप्त होकर 'हम' का भाव आता है, तभी उसका वास्तविक अर्थ प्रकट होता है। सतगुरु का ज्ञान ही वह जागृति है, जो हमारी दृष्टि बदलकर हर मानव में निरंकार का स्वरूप देखने की प्रेरणा देता है। जब मानव, मानव से प्रेम और सत्कार करेगा, तो यह धरती और सुंदर बनेगी। सतगुरु से यही अरदास है कि हम मानव रूप में ही नहीं, बल्कि अपने कर्मों और व्यवहार से भी सच्चे मानव बन सकें। इस वर्ष संत समागम का शीर्षक 'जागृति' है, जो मनुष्य को बाहरी संसार से हटकर अपने भीतर झाँकने और अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की प्रेरणा देता है। सतगुरु माता जी ने भी कहा है कि जागरूक और चेतन होकर भक्त हर पल भक्ति में लीन रहते हैं। 'जागृति' का अर्थ किसी नई बात का अचानक बोध होना नहीं, बल्कि हर क्षण अपने भीतर सजग और सचेत रहना है।

संपादकीय

कचरे के ढेर पर बढ़ते शहर

भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण आर्थिक विकास, रोजगार और बेहतर जीवनस्तर के अवसर तो पैदा कर रहा है लेकिन इसके साथ उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। अनियोजित शहरी विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, उपभोक्तावाद और एकल-उपयोग वाली वस्तुओं के बढ़ते इस्तेमाल ने शहरों में कचरे की मात्रा और विविधता दोनों को बढ़ा दिया है। अनेक शहरों में कचरे का संग्रहण, परिवहन और निस्तारण अभी भी मुख्यतः ह्यकलेक्ट-ट्रांसपोर्ट-डंपह्ल मॉडल पर आधारित है। इसका परिणाम खुले में कचरा फेंकने, जलाने, जल स्रोतों के प्रदूषण, दुर्गंध, वायु प्रदूषण और लैंडफिल के बढ़ते दबाव के रूप में सामने आता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल कचरा हटाने की नहीं बल्कि उसे संसाधन में बदलने की है।

भारत के ठोस अपशिष्ट की प्रकृति अत्यंत विविध है। घरेलू और व्यावसायिक गतिविधियों से निकलने वाला नगरपालिका ठोस अपशिष्ट इसका सबसे बड़ा हिस्सा है, जिसमें भोजन और अन्य जैविक पदार्थों के साथ कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, कपड़ा और पैकेजिंग सामग्री शामिल होती है। जैविक कचरे की बड़ी मात्रा भारत के लिए चुनौती के साथ अवसर भी है क्योंकि इससे खाद और बायोगैस का उत्पादन किया जा सकता है। प्लास्टिक अपशिष्ट दूसरी बड़ी समस्या है। विशेषकर मल्टी-लेयर पैकेजिंग और एकल-उपयोग प्लास्टिक का पुनर्चक्रण कठिन होता है तथा इनके नालियों, नदियों और समुद्रों तक पहुंचने की संभावना रहती है। निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाला मलबा भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें कंक्रीट, ईंट, पत्थर, टाइल, लकड़ी और धातु शामिल हैं। इसका वैज्ञानिक पुनर्चक्रण कर सड़क निर्माण तथा नए निर्माण में उपयोग किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त जैव-चिकित्सीय कचरा, ई-कचरा और खतरनाक औद्योगिक कचरा विशेष सावधानी की मांग करते हैं। अस्पतालों से निकलने वाले संक्रमित पदार्थ, सुइयां, दूषित प्लास्टिक और औषधीय अवशेष यदि सामान्य कचरे के साथ मिल जाएं तो स्वास्थ्यकर्मियों, कचरा बीनने वालों और आम नागरिकों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इसी प्रकार कंप्यूटर, मोबाइल फोन, बैटरी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले ई-कचरे में मूल्यवान धातुओं के साथ सीसा, पारा और अन्य हानिकारक पदार्थ भी हो सकते हैं। रसायन, सॉल्वेंट, पेंट और औद्योगिक अवशेष जैसे खतरनाक अपशिष्ट को सामान्य नगरपालिका कचरे से अलग रखना आवश्यक है।

इस संकट से निपटने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपाय स्रोत पर कचरे का पृथक्करण है। गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग-अलग रखने से आगे की पूरी प्रबंधन प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनती है। जीपीएस आधारित कचरा वाहन, सेंसरयुक्त स्मार्ट बिन, फ्क्क्ऊ तकनीक और डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली संग्रहण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और कुशल बना सकती हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि तकनीक नागरिक अनुशासन का विकल्प नहीं है। यदि घर और संस्थान स्तर पर कचरा अलग नहीं किया जाएगा तो अत्याधुनिक प्रसंस्करण संयंत्र भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे। जैविक कचरे के लिए कम्पोस्टिंग और बायोमिथेनेशन महत्वपूर्ण समाधान हैं। कम्पोस्टिंग के माध्यम से जैविक कचरे को उपयोगी जैविक खाद में बदला जा सकता है, जबकि एनारोबिक डाइजेशन से बायोगैस और जैविक अवशेष प्राप्त होते हैं। इससे लैंडफिल पर दबाव कम होने के साथ ऊर्जा और कृषि के लिए उपयोगी संसाधन प्राप्त होते हैं। बड़े शहरों में विकेंद्रीकृत कम्पोस्टिंग तथा बायोगैस संयंत्र परिवहन लागत और कचरे के अनावश्यक स्थानांतरण को भी कम कर सकते हैं।

सूखे कचरे के लिए मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी अत्यंत उपयोगी हैं। इनमें कन्वेयर बेल्ट, चुंबकीय पृथक्करण, एयर क्लासिफायर, ऑप्टिकल सॉर्टिंग और आधुनिक सेंसर तकनीक के माध्यम से कागज, धातु और विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक को अलग किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कंप्यूटर विजन आधारित प्रणालियां भविष्य में स्वचालित छंटाई को और अधिक प्रभावी बना सकती हैं। हालांकि, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री में गीले कचरे के मिश्रण से उसकी गुणवत्ता और आर्थिक उपयोगिता कम हो जाती है। इसलिए स्रोत पर पृथक्करण इस पूरी तकनीकी श्रृंखला की बुनियादी शर्त है।

नैनीताल क्यों भूल रहा 146 वर्ष पुरानी प्राकृतिक आपदा ?

प्रयाग पाण्डे

> तत्कालीन ओक ओपिनिग्स स्कूल (अब बिड़ला विद्या मंदिर) और अन्य बंगलों में पानी जमा करने के लिए बने खालों को पाट दिया गया था। पहाड़ी में बने असुरक्षित भवनों को तोड़ने के आदेश जारी कर दिए गए। इस हादसे के बाद नैनीताल में वैज्ञानिक आधार पर एक नया नायाब नालातंत्र विकसित किया गया। 1880 से 1928 के दौरान समूचे नैनीताल को 69 बड़े और 234 ब्रांच नालों के जाल में लपेट दिया गया। सबसे अधिक नाले इसी पहाड़ी में बनाए गए।

नैनीताल में हुए प्रलयकारी भूस्खलन को 146 साल पूरे हो गए हैं। 18 सितंबर, 1880 को नैनीताल की शेर-का-डांडा पहाड़ी में विनाशकारी भूस्खलन हुआ था। इसने कुछ ही पलों में नैनीताल का भौगोलिक मानचित्र बदल दिया था। इस दर्दनाक त्रासदी में 108 हिंदुस्तानियों और 43 यूरोपियन समेत 151 लोगों के शव मिले। वैज्ञानिकों का मानना था कि कुछ शव पहाड़ी के नुकीले पत्थरों और मलबे के ढेरों में दबे हो सकते हैं। हादसे में कई लोग बाल-बाल बचे। बचाव कार्यों के दौरान मजिस्ट्रियल चार्ज ऑफ द स्टेशन मिस्टर लियोनार्ड टेलर सहित कई अंग्रेज सैन्य अधिकारी, जवान और दूसरे कारिंदों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। बचाव कार्यों के दौरान कुमाऊँ के तत्कालीन कमिश्नर सर हैनरी रैमजे बाल-बाल बचे। वे कमर तक मलबे में धंस गए थे। भूस्खलन में लाखों रुपए की संपत्ति नष्ट हो गई थी।

भूस्खलन ने कैप्टन हैरिस का भव्य एवं आलीशान विक्टोरिया होटल और इसके आसपास स्थित सभी घरों को नेस्तनाबूद कर दिया था। मालरोड के समीप स्थित 'बेल शॉप' नामक दुकान और माँ नयना देवी का मंदिर भी भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। असेंबली रूम्स (वर्तमान कैपिटल सिनेमा) का एक हिस्सा झील में समा गया था और शेष बचा हुआ हिस्सा मलबे में दफ़न हो गया था। वर्तमान बोट हाउस के पास वाला झील का एक हिस्सा पलक झपकते ही मैदान में तब्दील हो गया था। 1880 तक नैनीताल फलता-फूलता और सर्व सुविधा संपन्न खुशहाल नगर बन चुका था। तब यहाँ की आबादी 10.054 थी, जिसमें 2.957 महिलाएं और 7.097 पुरूष थे। अंग्रेज नैनीताल के मौसम और यहाँ की स्वास्थ्यवर्धक जलवायु से अभिभूत थे। वे नैनीताल के पर्यावरणीय खूबियों से तो भली- भांति वाकिफ हो चुके थे लेकिन ब्रिटिश हुक्मरान यहाँ के पारिस्थितिक तंत्र से छेड़छाड़ से हासिल खूबियों के लुत्फ उठाने की कीमत से अंजान थे। 18 सितंबर, 1880 को शेर-का-डांडा पहाड़ी में चंद सैकेंड के भीतर घटी विनाशकारी भूस्खलन की इस त्रासदी ने न केवल अंग्रेजी शासकों के होश उड़ा दिए बल्कि उन्हें भीतर तक हिला कर रख दिया था।

हालांकि ब्रे-साइड का यह क्षेत्र प्रारंभ से ही अति संवेदनशील माना जाता था। 1880 से पूर्व भी इस क्षेत्र में कई मकान क्षतिग्रस्त हो चुके थे। नैनीताल की बसासत के करीब ढाई दशक बाद 1867 में पहला भूस्खलन भी इसी पहाड़ी में हुआ था, जिसमें चार लोगों की जान चली गई थी। इस क्षेत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर 1880 से पूर्व अंग्रेज शासक यहाँ दार्जिलिंग की तर्ज पर नाला तंत्र विकसित कर चुके थे लेकिन दार्जिलिंग का नाला तंत्र नैनीताल के भूगर्भीय हालातों में कारगर सिद्ध नहीं हुआ। 1880 से पहले शेर-का-डांडा पहाड़ी में आलीशान राजभवन के अलावा करीब डेढ़ दर्जन बंगले बने थे। बंगलों, उद्यान, टेनिस कोर्ट और सड़क-रास्तों आदि के निर्माण कार्यों में यहाँ की पहाड़ियों में भू-कटान और वृक्षों का पातन हुआ। इन निर्माण गतिविधियों के कारण यहाँ की प्राकृतिक भू-व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो चुकी थी। 1880 के तीसरे सप्ताह के प्रारंभ में नैनीताल में लगातार चार दिनों तक मूसलाधार बारिश हुई। निर्माण गतिविधियों के कारण वर्षा के पानी के निकास के प्राकृतिक मार्ग अवरुद्ध हो गए थे। प्राकृतिक नालों का वजूद खत्म हो गया था। वर्षा के जल की प्राकृतिक निकासी की व्यवस्था छिन्न- भिन्न हो गई थी। बंगलों और अन्य निमार्णों के लिए भूमि समतलीकरण के कारण वर्षा का पानी जमीन के उदर में जमा होने लगा। जमीन के गर्भ में समा गए पानी को बाहर निकलने के लिए उचित मार्ग नहीं मिला। नतीजतन वर्षा का पानी जमीन के अंदर जमा हो गया। अत्यधिक जल जमाव के कारण जमीन की सहन शक्ति क्षीण हो गई थी। इसी बीच आए भूकंप के एक हल्के झटके ने आग में घी का काम किया। 18 सितंबर, 1880 को जमीन के भीतर जमा पानी शेर-का-डांडा पहाड़ी के एक बड़े हिस्से को अपने साथ नैनी झील की ओर ले आया। धूल के एक गुबार के साथ गादनुमा इस मलबे के ढेर ने नगर में तबाही मचा दी थी।

भूस्खलन के बाद कुमाऊँ के तत्कालीन कमिश्नर सर हैनरी रैमजे ने बचाव और राहत कार्यों की कमान खुद संभाली। युद्धस्तर पर बचाव कार्य किए गए। हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों और प्रभावितों की सहायता के लिए सर हैनरी रैमजे की अध्यक्षता में साठ हजार रुपए का सहायता कोष बनाया गया। 'द हिमालयन गजेटियर' के लेखक एडविन टी. एटकिंसन इस सहायता कोष के सचिव बनाए गए। काबिल-ए- गौर बात यह है कि इस प्राकृतिक आपदा के बाद नैनीताल म्युनिसिपल कमेटी के सभी सदस्यों ने नैतिकता के आधार पर सामूहिक रूप से त्यागपत्र दे दिए थे।

इस भूस्खलन के बाद औपनिवेशिक सरकार नैनीताल की पहाड़ियों की सुरक्षा को लेकर बेहद संवेदनशील हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने इस हादसे को ₹त्रासदी₹ करार दिया। हादसे के चौथे दिन 22 सितंबर, 1880 को नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेस के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर ने शेर-का-डांडा पहाड़ी की जांच के लिए कुमाऊँ के तत्कालीन कमिश्नर सर हैनरी रैमजे की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय जाँच कमेटी बना दी थी। इसके बाद भारत के भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के उप अधीक्षक मिस्टर डब्ल्यू. थियोबॉल्ड ने शेर-का-डांडा पहाड़ी की जाँच की। इसी साल भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वैज्ञानिक आर.डी. ओल्डहैम की अध्यक्षता में इंजीनियरों की एक जाँच कमेटी बनी। इसके अलावा सेना की ओर से दो कोर्ट ऑफ इंक्वायरी बैठाई गई। ब्रिटिश सरकार ने एक विशेष सिविल अधिकारी की नियुक्ति की। विशेष सिविल अधिकारी ने सरकार को अलग से अपनी जाँच रिपोर्ट सौंपी।

नगर पालिका के तत्कालीन सदस्य एवं भू-विज्ञानी फ्रैडिक एडवर्ड जॉर्ज मैथ्यूज ने भी शेर- का- डांडा पहाड़ी की सुरक्षा की जाँच की थी, मैथ्यूज की जाँच रिपोर्ट 1882 में प्रकाशित हुई। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर शेर-का-डांडा की पूरी पहाड़ी को किसी भी प्रकार के निर्माण के लिए निषेद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया। यहाँ तक कि इस क्षेत्र में फुलबाड़ी बनाने पर भी पाबंदी लगा दी गई। इस पहाड़ी में अवस्थित करीब डेढ़ दर्जन बंगलों को बिना सिविल अधिकारी की लिखित अनुमति के किराए पर उठाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था।

पैसा नहीं, भरोसा है यूपीआई की सबसे बड़ी पूंजी

योगेश कुमार गोयल

सरकार के लिए असली कसौटी यह नहीं होनी चाहिए कि यूपीआई से कितने हजार करोड़ रुपये कमाए जा सकते हैं बल्कि कसौटी यह होनी चाहिए कि यूपीआई को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाते हुए आम आदमी के लिए उसे सस्ता, सरल और भरोसेमंद कैसे रखा जाए। व्यापारी से एमडीआर लेना एक बात है, उस लागत का धीरे-धीरे ग्राहक तक पहुंच जाना दूसरी। पहली व्यवस्था आर्थिक मॉडल हो सकती है, दूसरी व्यवस्था डिजिटल सुविधा पर बोझ बन सकती है। इसलिए अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यूपीआई पर आम जनता से शुल्क शुरू हो गया लेकिन यह चेतावनी देने का समय जरूर है कि आज व्यापारी के नाम पर दर्ज होने वाला शुल्क कल ग्राहक की जेब तक पहुंचने न पाए। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि उसने अरबों-खरबों रुपये के लेन-देन संभव किए, उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को आम भारतीय के लिए इतना आसान बना दिया कि नकदी की जरूरत कम होती गई।

जिस यूपीआई ने भारत में भुगतान की आदत बदल दी, अब उसी यूपीआई की अर्थव्यवस्था बदलने जा रही है। मोबाइल निकाला, क्यूआर कोड स्कैन किया और भुगतान हो गया, न नकदी की जरूरत, न खुले पैसे की चिंता और न किसी अतिरिक्त शुल्क का झंझट। चाय की दुकान से लेकर मॉल तक, रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक यूपीआई भारतीय जीवन का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने का निर्णय केवल भुगतान उद्योग का व्यावसायिक निर्णय नहीं है बल्कि यह भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पहले सभी प्रकार के भ्रम दूर होने चाहिए।

फिलहाल ग्राहक के बैंक खाते से 0.4 प्रतिशत शुल्क नहीं कटेगा, यह एमडीआर व्यापारी से लिया जाना है। 2,000 रुपये तक के पी2एम लेन-देन इससे बाहर रहेंगे और पर्सन-टू-पर्सन यानी पी2एम भुगतान राशि की परवाह किए बिना मुफ्त रहेंगे। सरकार के अनुसार लगभग 96 प्रतिशत पी2एम लेन-देन भी इस व्यवस्था से प्रभावित नहीं होंगे। 75,000 रुपये या उससे अधिक के पात्र लेन-देन पर एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये होगी। अर्थात आज की स्थिति में यह कहना गलत होगा कि 2,000 रुपये से ज्यादा का यूपीआई भुगतान करने पर ग्राहक को सीधे 0.4 प्रतिशत देना पड़ेगा।

यहीं से एक बड़ा सवाल जन्म लेता है कि क्या किसी शुल्क का ग्राहक से सीधे न लिया जाना यह गारंटी देता है कि उसका अंतिम आर्थिक बोझ ग्राहक तक नहीं पहुंचेगा? इसका उत्तर बाजार के व्यवहार में छिपा है। व्यापारी से शुल्क लिया जाएगा तो वह इसे अपने खर्च में जोड़ेगा। कोई व्यापारी अपना मार्जिन घटाकर लागत वहन कर सकता है, कोई वस्तु या सेवा की कीमत में उसे समायोजित कर सकता है और कोई ग्राहक को नकद भुगतान की ओर आकर्षित कर सकता है। यूपीआई की असली ताकत उसकी तकनीक भर नहीं है बल्कि उसकी असली ताकत उसकी सहजता, गति और कम लागत है। यदि भुगतान से पहले नागरिक को यह सोचना पड़े कि कौन-सा माध्यम सस्ता है, किस राशि पर शुल्क लगेगा और व्यापारी उससे कितना अतिरिक्त पैसा मांगेगा तो डिजिटल भुगतान की सरलता पर चोट होगी।

यहां सरकार के सामने एक वास्तविक चुनौती भी है। माना कि इतना विशाल भुगतान नेटवर्क मुफ्त में नहीं चलता। लगातार बढ़ते लेन-देन के साथ सर्वर, नेटवर्क, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकथाम, तकनीकी रखरखाव और डिजिटल अवसंरचना पर भारी खर्च होता है। वर्षों तक यूपीआई पर शून्य एमडीआर की व्यवस्था में इस

लागत का बड़ा हिस्सा बैंक, भुगतान कंपनियां और सरकार वहन करते रहे हैं। इसलिए यूपीआई को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए कोई मॉडल तलाशना अपने आप में गलत नहीं है। लेकिन टिकाऊपन के नाम पर जनता की जेब को स्थायी राजस्व स्रोत बना देना भी स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

यहीं बर्नस्टीन का अनुमान महत्वपूर्ण हो जाता है। उसके आकलन के अनुसार, यदि यूपीआई के कुल ट्रांजैक्शन मूल्य के आधे हिस्से पर 40 बेसिस प्वाइंट यानी 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जाए तो वित्त वर्ष 2028 तक लगभग 22,000 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व पूल बन सकता है। उसके अनुमान के अनुसार, इसमें बैंकों और भुगतान ऐप्स की हिस्सेदारी भी बड़ी होगी। यह कोई सरकारी राजस्व अनुमान नहीं बल्कि एक बाजार विश्लेषण है लेकिन यह जरूर बताता है कि यूपीआई अब केवल सुविधा नहीं बल्कि बहुत बड़ा आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र बन चुका है।

यूपीआई के आंकड़े इसकी ताकत बताते हैं। 2016-17 में जहां यूपीआई लेन-देन लगभग दो करोड़ थे और उनका मूल्य करीब 7,000 करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 में लेन-देन बढ़कर लगभग 24,162 करोड़ और कुल मूल्य करीब 314 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। एक दशक में हुई यह छलांग बताती है कि यूपीआई अब भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ जैसी डिजिटल अवसंरचना बन चुका है और जब कोई व्यवस्था इतनी बड़ी हो जाए तो उसके नियमों में छोटा बदलाव भी बड़ा प्रभाव पैदा कर सकता है। संख्या के लिहाज से 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान कुल लेन-देन में छोटा हिस्सा हो सकते हैं लेकिन उनकी कुल वैल्यू बहुत बड़ी है। यानी नीति निमार्ताओं ने फिलहाल ऐसी श्रेणी चुनी है, जहां अपेक्षाकृत कम संख्या में लेन-देन से भुगतान नेटवर्क की लागत का बड़ा हिस्सा निकाला जा सकता है और रोजमर्रा के छोटे भुगतान को बचाया जा सकता है। यह संतुलन बनाए रखना ही असली चुनौती है।

छोटे दुकानदार और रेहड़ी-पटरी वाले यूपीआई के सबसे बड़े लाभार्थियों में हैं। उनके लिए डिजिटल भुगतान सुविधा भी है और कारोबार बढ़ाने का माध्यम भी। यदि भुगतान स्वीकार करने की लागत बढ़ती है तो उसका असर उनके छोटे-छोटे मार्जिन पर पड़ सकता है। इसलिए छोटे व्यापारियों के लिए उपलब्ध छूट और सुरक्षा प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। दूसरी चिंता पारदर्शिता की है। यदि एमडीआर लागू हो रहा है तो जनता को यह साफ-साफ बताया जाना चाहिए कि उससे प्राप्त रकम का आर्थिक ढांचा क्या होगा, किस हिस्से से किस पक्ष की लागत पूरी होगी और भुगतान अवसंरचना को मजबूत करने में इसका कितना उपयोग होगा। जनता पर लागत डालने से पहले जनता को हिसाब मिलना चाहिए। तीसरी और सबसे बड़ी चिंता भविष्य की है। आज सीमा 2,000 रुपये है। आज शुल्क व्यापारी देता है। आज पी2एम भुगतान मुफ्त है। इन तीनों तथ्यों को स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाना चाहिए लेकिन इसी के साथ यह भी समझना होगा कि किसी भी आर्थिक व्यवस्था में शुल्क संरचना स्थिर रहने की गारंटी स्वतः नहीं होती। भविष्य में यदि कोई बदलाव प्रस्तावित होता है तो उसे अलग से नीति, सार्वजनिक बहस और स्पष्ट सरकारी निर्णय के रूप में देखा जाना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था से यह निष्कर्ष निकालना कि अब हर यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगना तय है, तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा लेकिन इस आशंका को पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता।

डिजिटल भुगतान का भरोसा बहुत मुश्किल से बनता है और बहुत आसानी से कमजोर हो सकता है। नागरिकों को यदि लगे कि जिस सुविधा को अपनाने के लिए उसे वर्षों तक प्रोत्साहित किया गया, अब उसी सुविधा के लिए धीरे-धीरे भुगतान करना पड़ेगा तो सवाल केवल कुछ रुपयों का नहीं रहेगा बल्कि सवाल यह होगा कि डिजिटल भारत की लागत आखिर कौन चुका रहा है? सरकार को इसलिए एक स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींचनी होगी। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, पी2एम भुगतान मुफ्त रहे, छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और सबसे महत्वपूर्ण यह कि भविष्य में शुल्क संरचना में कोई बदलाव हो तो वह पारदर्शी तरीके से हो, न कि धीरे-धीरे ऐसी व्यवस्था के रूप में, जिसमें नागरिक को हर डिजिटल भुगतान पर किसी न किसी शुल्क का सामना करना पड़े। यूपीआई को राजस्व का स्रोत बनाने की जल्दबाजी डिजिटल क्रांति के मूल उद्देश्य को कमजोर कर सकती है। भारत ने नकदी से डिजिटल भुगतान की ओर आने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया। छोटे दुकानदारों को क्यूआर कोड दिए गए। बैंकों और भुगतान कंपनियों ने डिजिटल भुगतान को सामान्य जीवन का हिस्सा बनाया। अब इस पूरी यात्रा की सबसे बड़ी पूंजी जनता का भरोसा है। उस भरोसे की कीमत किसी एमडीआर से कहीं ज्यादा है।

न्यूज़ ब्रीफ

458 करोड़ चंबल-कोतवाल परियोजना का सिंधिया ने किया निरीक्षण

ग्वालियर-मुरैना के लिए जीवन रेखा साबित होगी चंबल-कोतवाल जल परियोजना: सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर/मुरैना।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री सह गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर प्रवास के पहले दिन चंबल-कोतवाल जल परियोजना के अंतर्गत कोतवाल डैम स्थित निर्माणाधीन इंटेकवेल, सांक नदी पर बन रहे पाइपलाइन ब्रिज तथा बानमोर के पास पाइपलाइन बिछाने के कार्य का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं परियोजना से जुड़े प्रतिनिधियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली और ग्वालियर-मुरैना की भविष्य की जलापूर्ति को मजबूत करने वाली इस महत्वपूर्ण परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि ग्वालियर-मुरैना के लिए यह जीवन रेखा साबित होगी।

हर घर पहुंचे चंबल का पानी

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि चंबल-कोतवाल जल परियोजना ग्वालियर और मुरैना की आने वाली पीढ़ियों की जल सुरक्षा से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजना है। चंबल का पानी नदी से निकलकर ग्वालियर-मुरैना के हर घर के नल तक पहुंचे, इसी सोच के साथ डबल इंजन की सरकार इस परियोजना को जमीन पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में शहरों की बढ़ती आबादी और जल की आवश्यकता को देखते हुए आज से ही मजबूत जलापूर्ति व्यवस्था तैयार करना जरूरी है। हमारा प्रयास है कि ग्वालियर-चंबल संभाग की जल आवश्यकताओं को लंबे समय के लिए सुरक्षित किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को पानी के संकट का सामना न करना पड़े।

150 एमएलडी पानी ग्वालियर पहुंचेगा केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि लगभग ?458 करोड़ की लागत से चंबल-कोतवाल जल परियोजना को विकसित किया जा रहा है। इसके तहत चंबल नदी और कोतवाल डैम से पानी लेकर ग्वालियर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के माध्यम से लगभग 150 एमएलडी पानी ग्वालियर की जलापूर्ति व्यवस्था में जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि चंबल नदी और कोतवाल डैम से पानी को पाइपलाइन के माध्यम से ग्वालियर लाया जाएगा और आगे इसे मोतीझील स्थित जलशोधन संयंत्र तक पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना को 31 मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

विकास मेरी प्राथमिकताः आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से राहत मिलेगी

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उन्होंने अपने प्रदेश और देश के लिए 25 वर्ष समर्पित किए हैं और आगे भी क्षेत्र के विकास के लिए पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करते रहेंगे। गुना के सांसद के रूप में गुना मेरी प्राथमिकता है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर और दतिया भी प्राथमिकता है क्योंकि इस जगह से गहरा पारिवारिक एवं भावनात्मक जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के नागरिकों के विश्वास और स्नेह से उन्हें निरंतर काम करने की ऊर्जा मिलती है और वे क्षेत्र के विकास के लिए दिन-रात पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर-मुरैना की जल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में चंबल-कोतवाल जल परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्धारित समयसीमा में परियोजना पूरी होने के बाद आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से राहत मिलेगी और क्षेत्र की जलापूर्ति व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। इस मौके पर प्रदेश जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना सहित बड़ी संख्या में स्थानीय प्रतिनिधि व आला विभागीय अधिकारी गण मौजूद थे।

पाइपलाइन का निरीक्षण

मंत्री सिंधिया ने बताया कि चंबल और कोतवाल डैम से ग्वालियर तक पानी पहुंचाने के लिए लगभग 31 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। उन्होंने मौके पर पाइपलाइन के कार्य का स्वयं निरीक्षण किया और निर्माण की गुणवत्ता एवं प्रगति की जानकारी ली। सिंधिया ने कहा कि परियोजना में बड़े व्यास की पाइपलाइन के माध्यम से पानी को लंबी दूरी तक पहुंचाया जाएगा। जिन स्थानों पर क्वारी, सांक और आसन जैसी नदियां मार्ग में आ रही हैं, वहां पाइपलाइन को सुरक्षित तरीके से ले जाने के लिए विशेष ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। सांक नदी पर निर्माणाधीन ब्रिज का भी उन्होंने निरीक्षण किया।

शहर की जलापूर्ति होगी पूरी

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य ग्वालियर-मुरैना की आने वाली दशकों की जल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मजबूत व्यवस्था तैयार करना है। उन्होंने कहा कि चंबल का पानी ग्वालियर तक पहुंचने के बाद जलशोधन संयंत्र के माध्यम से शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करेगा।

इससे ग्वालियर के नागरिकों को अधिक भरोसेमंद जलापूर्ति उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में बेहतर पानी, सिंचाई और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर लंबे समय से अपेक्षाएं रही हैं। उन्होंने कहा कि आज बड़े स्तर की परियोजनाओं के माध्यम से इन आवश्यकताओं को पूरा करने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि चंबल का पानी ग्वालियर तक लाने की योजना, सिंचाई परियोजनाएं और क्षेत्र में बन रहे नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर इस बात का संकेत हैं कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को आने वाले वर्षों की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है।

किसानों को भी मिलेगा लाभ

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि क्षेत्र के विकास में घरेलू जलापूर्ति के साथ किसानों के लिए सिंचाई की स्थायी व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य के तहत चंबल-पार्वती-सिंध परियोजना सहित विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं पर कार्य आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि माधवराव सिंधिया सिंचाई योजना सहित क्षेत्र में प्रस्तावित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पानी घरों तक पहुंचे और खेतों तक भी पर्याप्त सिंचाई सुविधा पहुंचे, यही क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर और दतिया सहित पूरा ग्वालियर-चंबल संभाग उनके लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और यहां के नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं।

न्यायिक अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर 500 से अधिक लोगों की जांच

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

'उल्लास (एक अभिनव प्रयास)' कार्यक्रम के तहत जिला न्यायालय ग्वालियर में न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री ललित किशोर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 500 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 15 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जांच रिपोर्ट का परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया तथा निःशुल्क दवाइयां भी वितरित कीं।

शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ललित किशोर ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्य की व्यस्तता के बीच स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आवश्यक है। नियमित स्वास्थ्य जांच से बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार संभव है।

शिविर से पहले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सहयोग से 15 से 17 सितम्बर तक जिला न्यायालय परिसर में 525 न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रक्त परीक्षण के लिए नमूने लिए गए थे। जांच रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपलब्ध कराई गई। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने इन रिपोर्टों के आधार पर आवश्यक

परामर्श देने के साथ व्यक्तिगत स्वास्थ्य परीक्षण भी किया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीमती दीपाली माथुर ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न बीमारियों के लक्षण, बचाव के उपाय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में उपयोगी जानकारी दी।

बीते रोज आयोजित हुए इस शिविर में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज) श्री नवीन शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री प्रशांत कुमार पाण्डेय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री पुष्पेन्द्र सिंह सहित जिला न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीशगण, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

जहां डलता था कचरा, वहां बनाई रंगोली

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर को कचरा ब्लैक स्पॉट मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत लंबे समय से कचरा जमा होने वाले स्थानों की सफाई कर उन्हें ब्लैक स्पॉट से मुक्त किया जा रहा है। रविवार को निगम की टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कई ब्लैक स्पॉट समाप्त किए। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान के तहत विनय नगर, अक्षय भवन, सेंट्रल जेल के पास सहित कई स्थलों पर सफाई कर वर्षों से जमा कचरे को हटाया गया।इन स्थानों की सफाई के साथ आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया गया। इन स्थानों की सफाई के साथ आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया गया। निगम की टीम ने स्थानीय लोगों को समझाइश दी कि वे खुले स्थानों पर कचरा न डालें और कचरा केवल निगम के कचरा वाहनों में ही दें।

जिस दिन राम से प्यार होगा उस दिन दुनिया बेगानी लगने लगेगी: पंडित संजीव शास्त्री

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

खाटू श्याम मंदिर बाई साहब की परेड लक्ष्मीगंज स्थित राधा हवेली पर चल रहे तो वार्षिक महोत्सव के चौथे दिन राम कथा का मंचन करते हुए पंडित संदीप कृष्ण शास्त्री ने बताया स्वयंवर में उपहास और भगवान विष्णु को श्रापराजकुमारी द्वारा उपेक्षाः स्वयंवर सभा में नारद जी बड़े आत्मविश्वास से बैठे थे, लेकिन उनका बंदर जैसा चेहरा देखकर सब हंस रहे थे। राजकुमारी विश्वमोहिनी ने उनकी तरफ देखा भी नहीं और सभा में आए स्वयं भगवान विष्णु (जो एक राजा के रूप में थे) के गले में वरमाला डाल दी।क्रोध में श्राप देनाः जब नारद जी ने जल में अपना चेहरा देखा, तो अपना वानर रूप पाकर वे क्रोध और ग्लानि से भर गए। उन्होंने आवेश में आकर भगवान विष्णु को तीन भयानक श्राप दे दिए:मनुष्य जन्मः जिस तरह आपने मुझे स्त्री के लिए व्याकुल किया है, वैसे ही आपको भी मनुष्य रूप में जन्म लेना पड़ेगा।पत्नी का वियोगः आपको भी धरती पर अपनी पत्नी (स्त्री) का वियोग सहना होगा और उसके लिए तड़पना पड़ेगा।वानरों की सहायताः जिन वानरों का मुख देकर आपने मेरा उपहास उड़ाया है, संकट के समय वही वानर आपकी सहायता करेंगे।बाद में जब भगवान ने अपनी माया हटाई, तो नारद जी को अपनी भूल का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। भगवान विष्णु ने मुस्कुराते हुए उनके श्राप को स्वीकार किया, जिसके कारण आगे चलकर उन्होंने अयोध्या

में प्रभु श्री राम के रूप में अवतार लिया और वानरों (हनुमान जी और सुग्रीव की सेना) की सहायता से माता सीता को रावण के चंगुल से मुक्त कराया। कतर से पूर्व मंदिर के महंत रवि अग्रवाल एवं चित्रांश अग्रवाल द्वारा बाबा का श्रृंगार किया गया मीडिया प्रभारी शिरीष गुप्ता गुड्डू भैया ने बताया कथा के चौथे से भगवान राम के बाल लीला एवं उनके जीवन विवाह एवं सीता हरण तक कथा का मंचन होगा कथा के उपरांत भगवान राम के जन्म पर मंदिर के भक्त अभिमन्यु चौहान तरुण बंसल दीपक त्रिपाठी चित्रांश अग्रवाल गोलू मनीष शर्मा मनोज चित्तौड़िया धनराज लखवानी कल्पना सविता लक्ष्मी कुशवाहा भानु चित्तौड़िया वी मंदिर की महंत पत्नी माया अग्रवाल द्वारा खेल खिलौने बिस्किट टॉफियां भक्तों के बीच प्रसादी रूप में बांटी गई यह कथा मंदिर परिसर में दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक प्रतिरोध चल रही है 21 सितंबर को कथा का चौथा दिन होगा

रामलीला समारोह का हुआ भूमिपूजन

रामलीला सत्य, न्याय और धर्म की जीत का संदेश देती है : विधायक सतीश सिकरवार

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

नव दुर्गा रामलीला सेवा समिति के तत्वावधान में दीनदयाल नगर, सेक्टर-सी स्थित रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले 17वें गौरवपूर्ण रामलीला समारोह का विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमिपूजन संपन्न हुआ। 11 अक्टूबर 2026 से रामलीला का भव्य मंचन प्रारंभ होगा। रामलीला में कानपुर से आए कलाकार भगवान श्रीराम के जीवन एवं आदर्शों पर आधारित विभिन्न प्रसंगों का मंचन करेंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक सतीश सिकरवार ने पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'रामलीला हमें सत्य, न्याय और धर्म की जीत का संदेश देती है। भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा और कर्तव्य का प्रतीक है। उनके आदर्शों को जीवन में अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।' समिति अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह ने कहा कि दीनदयाल नगर की रामलीला वर्षों से क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रही है।

लगातार 17वें वर्ष आयोजित होने वाला यह समारोह हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम है। समारोह के दौरान भगवान श्रीराम की भव्य बारात भी निकाली जाएगी। इस अवसर पर भरत सिंह भदौरिया (संरक्षक),रणविजय सिंह कुशवाह (अध्यक्ष), डी. पी. चौहान (उपाध्यक्ष),भारत परिहार (सचिव), रामगोपाल चौधरी (कोषाध्यक्ष),बनबारी श्रीवास्तव (सह कोषाध्यक्ष), रेखा त्रिपाठी (पार्षद),अरविंद बाजपेई , रामप्रकाश परमार (पूर्व मंडल अध्यक्ष), महावीर बघेल, रविंद्र सिंह कुशवाह, मोहित श्री राम मिष्ठान भंडार, राघवेंद्र कुशवाह,डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. गौरव सोनी, इंजी. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह,रामपाल सिंह तोमर, राघवेंद्र सिंह कुशवाह,रामबाबू शर्मा,मुनेन्द्र सिंह कुशवाह, जुगल गुर्जर,राजेश तोमर,मुन्नालाल शर्मा, अनिल राजावत, भारत सिंह तोमर, ओम कुमार, कमलेश गोस्वामी,प्रतीक राजावत,ब्रजभूषण कुशवाह,सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी नागरिक एवं समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने शहरवासियों एवं क्षेत्रवासियों से सपरिवार रामलीला समारोह में शामिल होकर भगवान श्रीराम के आदर्शों एवं मर्यादा के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

सियोल। डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए। भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सुब्रतो कप यू-17

मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने गुजरात को 4-0 से रौंदा

चंडीगढ़। 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में मिनर्वा पब्लिक स्कूल (सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व) का विजय अभियान लगातार जारी है। नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए मैच-डे 4 के मुकाबले में मिनर्वा ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा ने टूर्नामेंट में लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। चार मैचों के बाद मिनर्वा की टीम कुल 30 गोल दाग चुकी है, जबकि उनके खिलाफ अब तक एक भी गोल नहीं हुआ है। सुबह 8 :30 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में स्पष्ट अंतर दिखा। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत की, जिसमें गोलकीपर रंजन के आगे साइलेक्स, चिंगखेई, टोनी और सामटे ने रक्षापंक्ति की कमान संभाली। मिडफील्ड में मूसा, के. चेतन और चेतन ने खेल की गति तय की और अटैकिंग लाइन के महेश, योहेनबा और राज को लगातार मौके बनाए।

वहीं, गुजरात की टीम डिफेंसिव 5-4-1 लो-ब्लॉक फॉर्मेशन के साथ उतरी, जिसका उद्देश्य मिनर्वा के हमलों को रोकना था। हालांकि, मिनर्वा के आक्रामक हाई-प्रेस ने महज 6वें मिनट में ही गुजरात के डिफेंस को तोड़ दिया।

एशियन गेम्स: सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया

फाइनल में भारत की बेटियां

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया।

यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था। शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था। शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए। 196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।

सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए। भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए।

एशियन गेम्स

चमारी अथापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

निशिन। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए एशियन गेम्स 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। श्रीलंकी कप्तान चमारी अथापट्टू जीत की हीरो रहीं। श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज शावाल जुल्फिकार ने 50 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी आयशा जफर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। आयशा 40 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाकर रन आउट हुईं। आयशा के रन आउट होने से पाकिस्तान का

निश्चित रूप से कुछ रन पीछे रह गया। कप्तान फातिमा सना ने 12 गेंदों पर नाबाद 20 और सायरा जबीन ने 14 गेंदों पर 17 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए सुगंदिका कुमारी, कप्तान अथापट्टू और काव्या काविंदी ने 1-1 विकेट लिए।

शैफाली वर्मा ने लगाया T20I करियर का पहला शतक, स्मृति मंधाना को छोड़ा पीछे; 6 बड़े रिकॉर्ड्स किए अपने नाम

शैफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अपने टी20आई क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाने में सफलता हासिल की। शैफाली ने अपना पहला टी20आई शतक 118वें मैच में लगाया और नाबाद 100 रन की पारी खेली। ये शैफाली के टी20आई करियर का बेस्ट स्कोर भी रहा साथ ही अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। यही नहीं उन्होंने टी20आई में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और स्मृति मंधाना पीछे छोड़ दिया।

- **शैफाली ने तोड़ा स्मृति का रिकॉर्ड-** शैफाली ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 9 छक्के लगाए और वो भारतीय महिला टीम की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में स्मृति से आगे आ गईं। शैफाली ने अब तक कुल 104 छक्के लगाए हैं जबकि मंधाना ने कुल 100 छक्के लगाए हैं। हालांकि ओवर ऑल शैफाली इस मामले में चौथे नंबर पर आ गईं।

एशियन गेम्स: भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

दीपिका ने 8 गोल किए

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

एशियन गेम्स: गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, दमदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगी भारत की बेटियां

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें रविवार से एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा था, लेकिन अब उनका लक्ष्य एशियन गेम्स में बेहतर खेल दिखाकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा। वर्ल्ड कप में आठवें स्थान पर रहने के बाद पूल ए में शामिल भारतीय पुरुष टीम काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल को बचाने का अभियान शुरू करेगी। वहीं, वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला टीम पूल बी के अपने पहले मैच में इसी स्टेडियम में उज्बेकिस्तान का सामना करेगी। एशियन गेम्स में इस खेल के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन भी है। गोल्ड मेडल जीतने वाली टीमों को ओलंपिक 2028 का टिकट मिल जाएगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली पुरुष टीम और सलीमा टेटे की कप्तानी वाली महिला टीम, दोनों के ही दिमाग में यह बात जरूर होगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम ने आठवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। अब वे एशियन गेम्स में उस अभियान की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर कोच क्रेग फुल्टन ने भी जोर दिया है।

पहले ही दिन भारत की चांदी

महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता रजत; मुर्मू-शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपने पदकों का खाता खोल लिया है। महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्सा के विनोद की तिकड़ी ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम के इस प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धि ने खेलों में भारत का पदक खाता खोल दिया है।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन में कुल 1898.0 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। चीन ने 1904.2 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि मेजबान जापान 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहा।

सोनम ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत की ओर से सोनम उत्तम मस्कर ने क्वालिफिकेशन में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.1 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। एलावेनिल वलारिवन 633.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। वहीं विदर्सा के विनोद ने 630.4 अंक हासिल किए और व्यक्तिगत रैंकिंग में 12वें स्थान पर रहीं। तीनों के संयुक्त प्रदर्शन ने भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाया।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

कजाखस्तान को हराया

नागोया। भारत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के पहले दौर में कजाखस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 90 मिनट के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते।

भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी। इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने जीते शुरुआती तीन मुकाबले- विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधू ने पहले मुकाबले में कमिला स्मागुलोवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशोवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारत के सामने जापान की कड़ी चुनौती

भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। जापान की टीम में विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली तीन महिला एकल खिलाड़ी हैं। इसमें अकाने यामागुची (नंबर तीन), टोमोका मियाजाकी (नंबर सात) और नोजोमी ओकुहारा (नंबर 10) शामिल है। भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हारकर खाली हाथ लौट आया था। संभावित मुकाबलों में सिंधू का सामना यामागुची से, जबकि उन्नति का मुकाबला मियाजाकी से हो सकता है। वहीं महिला युगल में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सामना जापान की विश्व नंबर तीन जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होने की संभावना है।सिंधू ने आगामी मुकाबलों में टीम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारी टीम अच्छी है और जापान भी मजबूत टीम है। इसलिए मुकाबला कड़ा होने वाला है। हर मैच महत्वपूर्ण है और यह एक अच्छा मुकाबला होगा। हम पूरी उम्मीद के साथ उतरेंगे और उम्मीद है कि जीत हमारी होगी।

मोती महल परिसर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय महिला-पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता शुरू, 21 सितंबर को फाइनल मुकाबलों के साथ होगा समापन

चक्रधर समारोह में कबड्डी का रोमांच, 25 टीमों ने दिखाया दमखम

■ एक सत बुलेटिन, रायपुर

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 41वें चक्रधर समारोह में इस बार कला-संस्कृति के साथ खेल प्रतिभाओं को भी मंच मिल रहा है। रायगढ़ के मोती महल परिसर में 19 सितंबर से शुरू हुई तीन दिवसीय जिला स्तरीय महिला एवं पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में जिले की 25 टीमें अपना दमखम दिखा रही हैं। इनमें 14 पुरुष और 11 महिला टीमें शामिल हैं। प्रतियोगिता का समापन 21 सितंबर को होगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलन और फीता काटकर किया। पहले दिन पुरुष वर्ग में सारंगढ़ जनपद और जिंदल रायगढ़ के बीच मुकाबला हुआ, जबकि महिला वर्ग में पुसौर और खरसिया की टीमों ने जोरदार खेल का प्रदर्शन किया। मैदान में खिलाड़ियों के शानदार दांव-पेंच और जोश ने दर्शकों में खासा उत्साह पैदा किया। खिलाड़ी पूरे अनुशासन और खेल भावना के साथ मुकाबलों में उतरे।शुभारंभ अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कबड्डी और कुश्ती हमारी मिट्टी से जुड़े पारंपरिक खेल हैं। राजा चक्रधर सिंह ने भी इन खेलों को प्रोत्साहित किया था। चक्रधर समारोह के माध्यम से पारंपरिक खेलों को व्यापक मंच मिलना रायगढ़ की खेल परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने युवाओं से खेल को मनोरंजन के साथ करियर के अवसर के रूप में देखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के जीवन में स्क्रीन टाइम बढ़ रहा है। मैदान से जुड़ाव बढ़ाकर मोबाइल और स्क्रीन टाइम को कम किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं के साथ अभिभावकों को भी वॉक, योग और हल्के व्यायाम जैसी गतिविधियों से जुड़ने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत के माध्यम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। सांसद ने खिलाड़ियों से आपसी प्रेम, सम्मान और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का आह्वान किया। नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान ने कहा कि कबड्डी मुश्किल परिस्थितियों में भी शांत रहकर सही निर्णय लेने की सीख देता है। यह खेल टीम भावना, अनुशासन और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना विकसित करता है। नगर निगम सभापति श्री डिग्री लाल साहू ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मैदान पर हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण खिलाड़ी का प्रयास, जोश और खेल भावना है।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में खरसिया जनपद, कबड्डी संघ, नगर निगम रायगढ़, तमनार, बरमकेला, धरमजयगढ़, लैलूंगा, पुसौर, घरघोड़ा, रायगढ़ और सारंगढ़ जनपद के साथ राजा चक्रधर, जिंदल फाउंडेशन तथा पुलिस विभाग की टीमें हिस्सा ले रही हैं। महिला वर्ग में अदानी फाउंडेशन, रायगढ़, जिंदल फाउंडेशन रायगढ़, पुसौर, खरसिया, लैलूंगा, तमनार, घरघोड़ा, धरमजयगढ़, जिंदल फाउंडेशन तमनार तथा नगर निगम रायगढ़ की टीमें शामिल हैं। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

फर्जी सिम के जरिए साइबर ठगी का खेल बेनकाब, पुलिस ने 3 को दबोचा

■ एक सत बुलेटिन, कटनी।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर संदिग्ध सिम विक्रेताओं (पीओएस एजेंटों) के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन फास्ट 2.0 के तहत कुठला थाना पुलिस ने फर्जी सिम जारी कर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने लोगों के आधार कार्ड और बायोमेट्रिक डेटा का कथित दुरुपयोग कर फर्जी सिम एक्टिवेट करने एवं उन्हें बेचने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पीओएस मशीनें, मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। खाता खुलवाने के नाम पर लिए फिंगरप्रिंट, बिना जानकारी जारी कर दी सिम पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया की टीम ने यह कार्रवाई की। मामले की शुरुआत ग्राम डिठवारा निवासी 21 वर्षीय ओम कोल की शिकायत से हुई। शिकायतकर्ता के अनुसार, वर्ष 2024 में सागर बर्मन ने एयरटेल पेमेंट बैंक में खाता खुलवाने के नाम पर उसके आधार कार्ड की प्रति और फिंगरप्रिंट लिए थे। आरोप है कि इसके बाद उसकी जानकारी के बिना उसके नाम पर एक सिम जारी कर दी गई, जिसका बाद में साइबर ठगी में इस्तेमाल किया गया। शिकायत मिलने के बाद कुठला पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस, 66(सी) आईटी एक्ट एवं दूरसंचार अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध सागर बर्मन (22), निवासी सहसपुरा, को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में उसने अपने साथी राहुल कुशवाहा (27), निवासी भैंसवाही, और डिंडौरी निवासी रामजी साहू (33) के साथ मिलकर फर्जी सिम जारी करने के नेटवर्क में शामिल होने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन, सिम कार्ड और पीओएस मशीनें जब्त की हैं। मामले में फर्जी दस्तावेजों, बायोमेट्रिक डेटा के दुरुपयोग और साइबर ठगी से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया, एएसआई तीरथ तेकाम, केशव मिश्रा, प्रधान आरक्षक अजीत मिश्रा, राहुल मिश्रा, सुनील पाण्डेय तथा आरक्षक अजय यादव, विवेक शुक्ला, बुद्धू कुमार और मनोज राजपूत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई से फर्जी सिम के जरिए होने वाली साइबर ठगी पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल से शशिदेव की राह हुई आसान’

रायपुर, सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद लोगों के जीवन को आसान बनाने में सहायक बन रही हैं। रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड के ग्राम त्रिभौना निवासी शशिदेव साव के लिए मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल ऐसी ही मदद साबित हुई है। दिव्यांगता के कारण पहले घर से बाहर आना-जाना और रोजमर्रा के जरूरी काम करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने के बाद अब वे पहले की तुलना में अधिक सहजता और स्वतंत्रता के साथ आवागमन कर पा रहे हैं। शशिदेव साव को आवागमन में होने वाली परेशानी को देखते हुए मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल की आवश्यकता महसूस की गई। उनकी जरूरत को ध्यान में रखते हुए जनपद पंचायत पुसौर के माध्यम से आवेदन समाज कल्याण विभाग को भेजा गया। आवश्यक परीक्षण एवं औपचारिकताएं पूरी होने के बाद कार्यालय उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, रायगढ़ द्वारा उन्हें मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने के बाद शशिदेव के लिए घर से बाहर निकलना और जरूरी कार्यों के लिए आवागमन करना आसान हुआ है। अब वे अपने दैनिक कार्य अधिक स्वतंत्रता से कर पा रहे हैं। आवागमन की सुविधा बढ़ने से उनकी सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता को भी संबल मिला है।

मुख्य पाइपलाइन में सेंध लगाने वालों की अब खैर नहीं! निगम का शिकंजा, हर वार्ड में अवैध नलों की तलाश

■ एक सत बुलेटिन, **कटनी।**

शहर की जलापूर्ति व्यवस्था में सेंध लगाकर पानी का अवैध इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ नगर निगम अब सख्त अभियान चलाने की तैयारी में है। मुख्य पाइपलाइनों में अनधिकृत कनेक्शन जोड़कर पानी की चोरी और बर्बादी करने वालों पर निगम प्रशासन की नजर है। निगमायुक्त तपस्या परिहार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना अनुमति जल कनेक्शन और पानी की बर्बादी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभियान के तहत शहर के हर वार्ड और भवन का सघन सर्वे कराया जाएगा, जिसमें अवैध नलों और अनधिकृत जल कनेक्शनों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जल विभाग की समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने मैदानी अमले को निर्देशित किया कि सर्वे के दौरान मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइनों में की गई अवैध सेंध, बिना अनुमति लिए गए कनेक्शन और पानी के अनधिकृत उपयोग की गहन जांच की जाए। निगम प्रशासन का उद्देश्य जलापूर्ति व्यवस्था को व्यवस्थित करने के साथ पानी की बर्बादी पर प्रभावी रोक लगाना है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को अभियान को गंभीरता से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम प्रशासन ने अवैध कनेक्शनधारियों के खिलाफ कार्रवाई से पहले उन्हें एक अवसर देने का निर्णय लिया है। सर्वे के दौरान ऐसे कनेक्शन पाए जाने पर, जिन्हें निर्धारित नियमों और आवश्यक औपचारिकताओं के तहत नियमित किया जा सकता है, संबंधित उपभोक्ताओं को कनेक्शन वैध कराने का मौका दिया जाएगा। उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर अपने जल कनेक्शन को नियमित कराने की सुविधा दी जाएगी। हालांकि, अवसर मिलने के बावजूद कनेक्शन नियमित नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं और पूरी तरह नियम विरुद्ध पाए जाने वाले कनेक्शनों पर निगम सख्ती बरतेगा। ऐसे मामलों में अवैध कनेक्शन की पाइपलाइन काटने के साथ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। निगम की इस मुहिम से अवैध जल उपयोग करने वालों में हड़कंप की स्थिति बनने की संभावना है। अवैध जल कनेक्शनों की पहचान से लेकर कार्रवाई तक पूरे अभियान की निगरानी की जिम्मेदारी कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा को सौंपी गई है। समीक्षा बैठक में सहायक यंत्री मृदुल श्रीवास्तव, सहायक राजस्व अधिकारी सागर नायक सहित जलप्रदाय शाखा के अधिकारी मौजूद रहे। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभियान के माध्यम से शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने, अवैध जल दोहन पर अंकुश लगाने तथा पानी की बर्बादी रोकने का प्रयास किया जाएगा।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का रोडमैप तैयार कर रही सरकार : वित्त मंत्री चौधरी

■ एक सत बुलेटिन, रायपुर

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी आज रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित 14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में एमएसएमई, स्टार्टअप, उद्योग, रोजगार और निवेश की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण देश का लक्ष्य और ध्येय है। इसी विकास यात्रा में छत्तीसगढ़ भी देश के अग्रणी राज्यों के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार दीर्घकालिक रोडमैप के साथ काम कर रही है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण के लिए स्पष्ट रोडमैप के साथ कार्य प्रारंभ किया है। विकास के साथ देश की विरासत और सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त बनाने पर जोर दिया जा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था अब लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है और आने वाले वर्षों में देश के विकास की गति को और तेज करने के लिए संरचनात्मक सुधारों तथा दीर्घकालिक नीतियों की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजना विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए ‘अंज़ोर विजन डॉक्यूमेंट’ तैयार कराया गया है। इसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि राज्य को देश के साथ कदमताल करते हुए अग्रणी राज्यों की श्रेणी में आगे बढ़ना है और राष्ट्र के विकास के महायज्ञ में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करनी है।

विद्यार्थियों ने रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से साझा की विकसित भारत की परिकल्पना

रायपुर, सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के समस्त विद्यालयों में विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत 2047 की संकल्पना से जोड़ने के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिलेभर से लगभग 46 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए एवं विभिन्न गतिविधियों में अपनी सहभागिता दी। हायर सेकेंडरी कन्या स्कूल मोहला, हाई स्कूल गोटाटोला, सेजस मोहला में आयोजित कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री मिथलेश डोंडे शामिल हुए एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेंगाकठेरा, विकासखंड अंबागढ़ चौकी में ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर ड्राइंग प्रदर्शनी एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने चित्रों और भाषणों के माध्यम से विकसित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत की अपनी कल्पना को अभिव्यक्त किया। इसी प्रकार कन्या शिक्षा परिसर अंबागढ़ चौकी में भी ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्यार्थियों ने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे।

एमएलसी मरीजों को तत्काल उपचार और गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कलेक्टर का निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखी

■ एक सत बुलेटिन, कटनी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने कैमोर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के पंजीयन और आयुष्मान कार्ड निर्माण की स्थिति की जानकारी लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, वनमंडलाधिकारी गर्वित गंगवार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने अस्पताल में आने वाले मेडिको-लीगल केस के मरीजों को तत्काल संज्ञान में लेने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष अधिकारी मोहिता दीक्षित से कहा कि किसी भी एमएलसी मरीज के अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक उसकी स्थिति को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार आवश्यक चिकित्सकीय कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित करें। उन्होंने इस मामले में डॉक्टरों की जवाबदेही तय करने पर भी

जोर दिया, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर उपचार मिल सके। कलेक्टर ने क्षेत्र की प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन कराने और संस्थागत प्रसव अस्पताल में ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को अस्पताल में प्रसव कराने के लाभों की जानकारी देकर जागरूक किया जाए, जिससे प्रसव के दौरान मां और नवजात को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपचार कराने पहुंचीं कैमोर निवासी वृद्ध अम्मा शांतिबाई गौतम से कलेक्टर श्री तिवारी ने आत्मीयता से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना। कलेक्टर ने अम्मा से उनकी तकलीफ के बारे में पूछा, जिस पर उन्होंने पैर में परेशानी होने की जानकारी दी। इस पर कलेक्टर ने संबंधित डॉक्टर को वृद्ध महिला का समुचित उपचार कराने और आवश्यक जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर श्री तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशीलता और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि मरीजों को समय पर सुविधा, उचित मार्गदर्शन और बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना भी है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक,** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को नीमच से वर्चुअली संबोधित किया

किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित किए जा रहे : मुख्यमंत्री यादव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैहर धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रदेश सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए विशेष रूप से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास और कल्याण का संदेश पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किसान, महिला, युवा और कमजोर वर्गों को विकास की प्राथमिकता में रखा गया है। इन वर्गों के सशक्तिकरण से संपूर्ण समाज की प्रगति सुनिश्चित होती है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी मैहर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में नीमच से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां शारदा का आशीर्वाद पूरे विंध्य, मध्यप्रदेश और देशवासियों पर सदैव बना रहता है। मां शारदा की पावन नगरी मैहर को जिला बने लगभग तीन वर्ष हुए हैं और इतने कम समय में मैहर ने अपनी अलग पहचान स्थापित की है। उन्होंने जिले के स्थानीय निवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को जनकल्याण और विकास कार्यों में निरंतर सहयोग के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को रात के समय खेतों में बिजली के कारण होने वाले परेशानी से मुक्ति दिलाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य सरकार आगामी रबी फसल से किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली सिंचाई के लिए उपलब्ध कराएगी। बिजली व्यवस्था के विस्तार और सुधार से किसानों के घरों में समृद्धि आएगी और उनकी आय में वृद्धि होगी। सरकार किसानों की सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि के लिए निरंतर काम कर रही है। स्लीमनाबाद टनल के आगामी समय में शुरू होने से क्षेत्र में जल उपलब्धता और कृषि गतिविधियों को नयी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि माँ नर्मदा के जल से माँ शारदा की नगरी में अभिषेक का संकल्प क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है और इससे किसानों के जीवन में समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि किसानों को उपज बेचने में अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए तैयारियां समय पर पूरी की जा रही है। सरकार धान की खरीदी किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य तक सीमित लाभ न मिले, बल्कि उन्हें उनकी उपज का बेहतर मूल्य और आवश्यकतानुसार बोनस सहित अन्य लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में भी सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन और दुग्ध उत्पादन जैसी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को प्रोत्साहित कर किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालन और गौ-पालन सनातन संस्कृति से भी जुड़ा हुआ है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने पर भी लगातार काम कर रही है।

विद्यार्थी को समग्रता से समझकर उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना ही शिक्षा का ध्येय : मंत्री परमार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को समझकर उसके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। जिस प्रकार परिवार में बच्चों के स्वभाव, रुचि, आदतों और व्यवहार को समझकर उनके साथ व्यवहार किया जाता है, उसी प्रकार प्राध्यापकों को भी विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और आवश्यकताओं को समझते हुए शिक्षण करना चाहिए। विद्यार्थी को समग्रता से समझे बिना शिक्षा अपने व्यापक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकती। मंत्री श्री परमार रविवार को भोपाल स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के सभागृह में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 'अनुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम के क्षेत्रीय प्रशिक्षण-सह-अभिमुखीकरण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए सामूहिक शक्ति और संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में अनुभव के आधार पर शिक्षण-पद्धतियों का निरंतर विकास समय की आवश्यकता है।

मध्यप्रदेश पुलिस की चोरी एवं नकबजनी की वारदातों पर कार्रवाई

विगत एक सप्ताह में 2 करोड़ 48 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चोरी एवं नकबजनी की वारदातों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में विगत एक सप्ताह में पुलिस ने चोरी की वारदातों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए विभिन्न जिलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 2 करोड़ 48 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। थाना सिविल लाइन पुलिस ने चार आरोपियों के कब्जे से 41 लाख 21 रुपये से अधिक नगदी, अवैध 32 बोर की पिस्टल, दो जिंदा राउंड, धारदार चाकू, लोहे का सरिया, घटना में प्रयुक्त i-20 कार, दो बैग, चार मोबाइल एवं नोटबुक सहित लगभग 50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त थाना बागचीनी पुलिस ने टावर से चोरी करने वाली अंतरजिला गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी में प्रयुक्त वाहन, कटर एवं अन्य उपकरण तथा चोरी किए गए माल सहित लगभग 15 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की। इस प्रकार दोनों कार्यवाहियों में लगभग 65 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। थाना मनावर पुलिस ने तमिलनाडु पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में 385 ग्राम सोना, जिसकी कीमत लगभग 55 लाख रुपये है, जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं थाना राजगढ़ पुलिस ने 24 घंटे में तीन चोरी की बाइक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया, जिनकी कीमत करीब 2 लाख 25 रुपये है। इस प्रकार जिले में लगभग 57 लाख 25 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल से की मुलाकात, जताया आभार

भोपाल। मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टर के स्टाइपेंड में वृद्धि किए जाने के निर्णय के लिए आज मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों की ओर से उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल का आभार व्यक्त किया।इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधि डॉ. साकेत रायपुरिया एवं करण पटेल ने अपने डीन एवं सुपरिटेंडेंट सर के साथ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के रीवा निवास पर पहुंचकर उनका धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि स्टाइपेंड वृद्धि की मांग को गंभीरता से लेते हुए सरकार द्वारा सकारात्मक पहल किए जाने से प्रदेश के हजारों इंटर्न डॉक्टर को राहत मिली है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए सभी इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि सरकार द्वारा चिकित्सा विद्यार्थियों एवं युवा चिकित्सकों की समस्याओं को समझते हुए किए गए इस निर्णय से उनका मनोबल बढ़ा है। इसी प्रकार के सहयोग एवं सकारात्मक संवाद की अपेक्षा व्यक्त की।

गायत्री शक्तिपीठ भोपाल में परम वंदनीय माता जी की जन्म शताब्दी पर साधना, सेवा एवं सद्भाव दिवस का आयोजन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

परम वंदनीय माता जी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर 20 सितंबर को गायत्री शक्तिपीठ भोपाल में 'साधना, सेवा एवं सद्भाव दिवस' श्रद्धा, साधना और उल्लास के साथ मनाया गया। शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन एवं प्रांतीय जोन संगठन के निर्देशानुसार आयोजित इस दिव्य कार्यक्रम में गायत्री परिवार के जिला, तहसील, चेतना केंद्र, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, भारतीय संस्कृति प्रकोष्ठ, श्रीराम विद्यालय तथा शक्तिपीठ व्यवस्था तंत्र से जुड़े बड़ी संख्या में परिजनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः सामूहिक साधना एवं गायत्री मंत्र जप से हुआ। प्रातः 6 बजे से सायं 6 बजे तक सामूहिक गायत्री मंत्र जप एवं अखंड जप का क्रम चला। साधकों ने सामूहिक रूप से गायत्री महामंत्र का जाप करते हुए विश्व शांति, सद्भाव एवं समाज के कल्याण की मंगलकामना की। दोपहर में गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं एवं साधकों द्वारा जन-जागरण यात्रा गायत्री शक्तिपीठ एमपी नगर से होते हुए सावरकर सेतु से आचार्य श्रीराम मार्ग के प्रारंभ स्थान पर पहुंचकर शताब्दी वर्ष के संकल्पों को आत्मसात कर वापस गायत्री शक्तिपीठ तक यात्रा के माध्यम से संस्कार, साधना, सेवा, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण तथा भारतीय संस्कृति के मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। सायंकाल गायत्री शक्तिपीठ परिसर में भव्य दीप यज्ञ एवं दीप महोत्सव का आयोजन किया गया। हजारों दीपों से शक्तिपीठ परिसर जगमगा उठा। सामूहिक नादयोग साधना, दीप प्रज्वलन, प्रज्ञा गीत,सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा परम वंदनीय माता जी के जीवन एवं उनके प्रेरणादायी कार्यों पर उद्बोधन ने वातावरण को भावपूर्ण एवं आध्यात्मिक बना दिया। वक्ताओं ने कहा कि परम वंदनीय माता जी का जीवन वात्सल्य, त्याग, सेवा, साधना और संस्कारों का अनुपम उदाहरण है।

उनकी जन्म शताब्दी केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि उनके जीवन-मूल्यों को अपने आचरण में उतारने का संकल्प लेने का पर्व है। गायत्री परिवार के परिजनों ने साधना, सेवा, सद्भाव और समर्पण के साथ समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गायत्री शक्तिपीठ भोपाल की जिला समन्वयक टीम, शक्तिपीठ व्यवस्था तंत्र, युवा एवं महिला प्रकोष्ठ, विभिन्न प्रकल्पों के प्रभारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और साधक परिजनों का विशेष सहयोग रहा। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा, अनुशासन और आध्यात्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा।

गणेश उत्सव के अवसर पर महापौर मालती राय न्यू मार्केट की गणेश झांकी में महाआरती में हुई शामिल

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**

गणेश उत्सव के अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय रविवार को न्यू मार्केट पहुंचीं, जहां उन्होंने न्यू मार्केट व्यापारी संघ द्वारा स्थापित भगवान श्री गणेश की झांकी में विधिवत पूजा-अर्चना कर महाआरती में सहभागिता की। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष श्रीमती आरती अनेजा, श्रीमती गुंजन चौकसे सहित न्यू मार्केट गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। महापौर ने भगवान श्री गणेश की आरती कर सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ गणपति बप्पा के जयकारे लगाए।

उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं को सशक्त बनाने के लिए संवाद

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग के सहयोग से सोमवार, 21 सितम्बर को भोपाल में 'मध्यप्रदेश में उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं का सुदृढ़ीकरण' विषय पर नीति संवाद आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से एमपीटी होटल पलाश रेसीडेंसी के प्रथम तल स्थित विमर्श हॉल में होगा। विषय-विशेषज्ञों, वित्तीय संस्थाओं, उद्योग प्रतिनिधियों, कृषक उत्पादक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा उद्यानिकी क्षेत्र के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

स्टाइपेंड वृद्धि को लेकर मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल से की मुलाकात, जताया आभार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टर के स्टाइपेंड में वृद्धि किए जाने के निर्णय के लिए आज मध्यप्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों की ओर से उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल का आभार व्यक्त किया।इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधि डॉ. साकेत रायपुरिया एवं करण पटेल ने अपने डीन एवं सुपरिटेंडेंट सर के साथ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के रीवा निवास पर पहुंचकर उनका धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि स्टाइपेंड वृद्धि की मांग को गंभीरता से लेते हुए सरकार द्वारा सकारात्मक पहल किए जाने से प्रदेश के हजारों इंटर्न डॉक्टर को राहत मिली है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए सभी इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि सरकार द्वारा चिकित्सा विद्यार्थियों एवं युवा चिकित्सकों की समस्याओं को समझते हुए किए गए इस निर्णय से उनका मनोबल बढ़ा है। उन्होंने भविष्य में भी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर इसी प्रकार के सहयोग एवं सकारात्मक संवाद की अपेक्षा व्यक्त की।

वीर भारत संग्रहालय, सर्प उद्यान, महाकाल महालोक सहित सिंहस्थ कार्यों की दी जानकारी

उज्जैन की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक वैभव से रूबरू होंगे युवा इन्फ्लुएंसर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को देवास रोड स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस में बिहार से उज्जैन आए 16 सदस्यीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दल से संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा इन्फ्लुएंसरों से उज्जैन की प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विषयों पर संवाद करते हुए उनसे सवाल भी किए तथा विभिन्न महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों और स्थलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्फ्लुएंसर दल को उज्जैन में निर्माणाधीन वीर भारत संग्रहालय, सर्प उद्यान, महाकाल महालोक सहित सिंहस्थ 2028 के लिए चल रहे निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वीर भारत संग्रहालय में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक भारत तक के महान नायकों की गौरवगाथाओं को एक साथ देखने और समझने का अवसर मिलेगा। संग्रहालय में भारत की समृद्ध ऐतिहासिक परंपरा, वैदिक काल, रामायण एवं महाभारत युग, विक्रमादित्य काल से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक की महत्वपूर्ण घटनाओं और राष्ट्रनायकों के योगदान को एक समग्र रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इससे नई पीढ़ी को भारत के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र निर्माण में महान व्यक्तित्वों के योगदान को जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्फ्लुएंसर दल को उज्जैन में निर्माणाधीन सर्प उद्यान (स्नेक पार्क) की जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन को 'सर्प मित्र नगरी के रूप में विकसित करने का दृष्टिकोण रखा गया है। सर्प उद्यान केवल पर्यटन का केंद्र नहीं होगा, बल्कि सांपों के संरक्षण, उनके प्राकृतिक महत्व तथा पर्यावरणीय संतुलन में उनकी भूमिका के प्रति लोगों में जागरूकता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के लिए प्रत्येक जीव की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। सर्पों के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करते हुए उनके संरक्षण और पर्यावरण में उनके योगदान की जानकारी आमजन तक पहुंचाना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिहार से आए युवा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को उज्जैन की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्ता के साथ-साथ श्री महाकाल महालोक के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने उज्जैन की प्राचीन परंपराओं, धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत तथा भगवान महाकाल की नगरी के रूप में इसकी विशिष्ट पहचान से अवगत कराया। बिहार से आए 16 सदस्यीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दल द्वारा उज्जैन प्रवास के दौरान आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों के अंतर्गत शहर में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी भी ली जाएगी। दल द्वारा उज्जैन के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर शहर में चल रहे विकास कार्यों, सिंहस्थ की तैयारियों और उज्जैन की सांस्कृतिक विरासत को करीब से समझने का अवसर प्राप्त होगा।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088